वर्षः- 05
अंकः- 281
मुरादाबाद
(Tuesday)
03 February 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

दैनिक प्रातः कालीन

क्यूँ न लिखूँ सच

मुरादाबाद से प्रकाशित
भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001
राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र
प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, बहराइच, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

पीएम के नेतृत्व में कागजों में नहीं... धरातल पर उतरीं नीतियां, सीएम बोले- विजनरी और समावेशी बजट

बजट पर चर्चा करते हुए सीएम योगी ने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में नीतियां सिर्फ कागजों में नहीं, बल्कि धरातल पर उतरी हैं। बजट विजनरी और समावेशी है।मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को आम बजट 2026-27 को लेकर आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीते 11 वर्षों में देश ने जो विकास यात्रा तय की है, उसका प्रत्यक्ष लाभ अब जमीनी स्तर पर दिखाई दे रहा है। यह बजट रिफॉर्म, ग्रोथ और फिस्कल डिसिप्लिन का संतुलित दस्तावेज है, जो नए भारत के निर्माण के साथ-साथ उत्तर प्रदेश को विकास, निवेश और रोजगार के नए अवसर प्रदान करेगा। सीएम योगी ने विश्वास जताया कि आम बजट 2026-27 उत्तर प्रदेश को 'विकसित भारत-2047' के लक्ष्य में अग्रणी भूमिका निभाने में सक्षम बनाएगा।रिफॉर्म, ग्रोथ और फिस्कल डिसिप्लिन के संतुलन से सशक्त भारत की नींव- मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बजट में रिफॉर्म, ग्रोथ और फिस्कल डिसिप्लिन तीनों का संतुलित समावेश स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। इन तीनों तत्वों को एक सूत्र में पिरोकर यह बजट आने वाली पीढ़ियों को जोड़ते हुए एक सशक्त और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण की दिशा में मजबूत आधार प्रदान करता हैयह बजट किसान, युवा, महिला और गरीब, सभी वर्गों की आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है। स्वाभाविक रूप से, इसके माध्यम से देश की सबसे बड़ी आबादी वाले राज्य उत्तर प्रदेश की अपेक्षाओं और विकास जरूरतों को पूरा करने के लिए नई संभावनाओं के द्वार खुले हैं।यूपी सरकार ने 68 हजार से ज्यादा राज्य कर्मचारियों की सैलरी फिलहाल रोक दी है। ये वो कर्मचारी हैं, जिन्होंने अपनी प्रॉपर्टी की जानकारी मानव संपदा पोर्टल अपलोड नहीं की है। दरअसल, कुछ दिन पहले प्रदेश सरकार ने %मानव संपदा पोर्टल% पर राज्य कर्मियों के चल-अचल संपत्ति का ब्योरा ऑनलाइन करना अनिवार्य कर दिया था। यूपी सरकार ने संपत्ति विवरण न देने वाले 68 हजार से अधिक राज्य कर्मचारियों की सैलरी रोक दी है। मानव संपदा पोर्टल पर चल-अचल संपत्ति का ब्योरा अपलोड करना अनिवार्य किया गया था।

68 हजार कर्मचारियों की सैलरी रोकी

तय समय पर जानकारी न देने वालों के प्रमोशन पर भी रोक लगेगी।यूपी सरकार ने 68 हजार से ज्यादा राज्य कर्मचारियों की सैलरी फिलहाल रोक दी है। ये वो कर्मचारी हैं, जिन्होंने अपनी प्रॉपर्टी की जानकारी मानव संपदा पोर्टल अपलोड नहीं की है। दरअसल, कुछ दिन पहले प्रदेश सरकार ने मानव संपदा पोर्टल पर राज्य कर्मियों के चल-अचल संपत्ति का ब्योरा ऑनलाइन करना अनिवार्य कर दिया था।प्रदेश में आठ लाख से अधिक राज्य कर्मचारी हैं। आदेश में कहा गया था कि 31 दिसंबर 2025 तक अर्जित सभी चल-अचल संपत्तियों का ब्योरा 31 जनवरी 2026 तक पोर्टल पर ऑनलाइन देना होगा। अगर नहीं दिया तो फरवरी में जनवरी माह का वेतन नहीं मिलेगा। कुछ दिन पहले मुख्य सचिव ने कहा था...मुख्य सचिव ने कहा था कि सभी अधिकारियों-कर्मचारियों को 31 दिसंबर 2024 तक अर्जित अपनी चल-अचल संपत्ति का ब्योरा 31 जनवरी तक मानव संपदा पोर्टल पर अनिवार्य रूप से भरना होगा। एक जनवरी से पोर्टल पर यह सुविधा शुरू हो गई है।

सभी विभागाध्यक्ष अपने अधीनस्थ अधिकारियों-कर्मचारियों को इसके अनुसार कार्यवाही करने के लिए कहें। तय सीमा में संपत्ति का विवरण न दिए जाने को प्रतिकूल रूप से लिया जाएगा। एक फरवरी, 2025 के बाद होने वाली विभागीय प्रमोशन समितियों की बैठकों में ऐसे अधिकारी-कर्मचारी के प्रमोशन पर विचार नहीं किया जाएगा।

शंकराचार्य के बयान से नहीं बदल सकता संविधान, मंत्री ओपी राजभर का यूजीसी और पंचायत चुनाव पर बड़ा बयान

कैबिनेट मंत्री ओपी राजभर ने पंचायत चुनाव को लेकर कहा कि चुनाव की पूरी तैयारी सरकार कर रही है। साथ ही मंत्री ने यूजीसी के नए नियमों से लेकर शंकराचार्य मामले के सवालों पर बड़ा बयान दिया। वाराणसी दौरे पर पहुंच कैबिनेट मंत्री ओमप्रकाश राजभर ने सोमवार को यूजीसी के नियमों को लेकर कहा कि अगर इस नियमावली में कोई गड़बड़ी है तो सुप्रीम कोर्ट जाएं, जो जाना चाहता है, कोर्ट का दरवाजा सबके लिए खुला है। कहा कि शिक्षा में ओबीसी, एससी, एसटी के साथ पक्षपात होता है। इसकी लड़ाई हम लड़ेंगेचुनाव की पूरी तैयारी कर रही सरकारराजभर ने त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव कब होगा के सवाल पर कहा कि चुनाव की पूरी तैयारी सरकार कर रही है और मत पत्र छप कर सभी जिले में चल गए हैं। वहीं शंकराचार्य अविमुक्तेश्वरानंद के बयान पर कहा कि देश संविधान से चलता है और उनके बयान से इसे बदला नहीं जा सकता और किसी के कहने से कुछ नहीं होता। गौमाता को राज्यमाता के दर्जा देने के शंकराचार्य के बयान पर कहा कि कैबिनेट में जब आएगातब देखा जाएगा। सुहेलदेव की जयंती पर अनिल राजभर द्वारा ओमप्रकाश के समर्थकों को मंच से बोले जाने पर कहा कि पूरे देश में वोट बेचे जाने का दुकान कहां है, वो बता दें अगर माई के लाल हैं। राजभर समाज का नेता कौन है के सवाल पर कहा कि आज उंगली उठाने वाले लोग पहले लोहा की चोरी करते थे। 23 साल में जो ओमप्रकाश ने कर दिया आज तक किसी ने किया है क्या? बाप को बाप कहना शुरू किया तब लोगों का ध्यान गया सुहेलदेव महराज की ओर। राजभर ने कहा कि सपा पीडीए का नारा लगा रही है, पीडीए का मतलब परिवार डेवलपमेंट अथॉरिटी है। वहीं बरेली के सिटी मजिस्ट्रेट जिन्होंने इस्तीफा देकर शंकराचार्य से मिलने को लेकर कहा कि ये ड्रामा था और राजनीति है। कहा कि हम राजभर हैं और राजभर सीना ठोक कर बोलता है।

तैयार होगा सुरक्षा कवचःचिकन नेक में अब जमीन के नीचे दौड़ेगी ट्रेन, पूर्वोत्तर के लिए सरकार का बड़ा प्लान

पूर्वोत्तर को जोड़ने वाले चिकन नेक कॉरिडोर में बनेंगे अंडरग्राउंड रेलवे ट्रैक। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने किया 40 किमी स्ट्रैटेजिक लाइन का एलान पूर्वोत्तर भारत को देश के बाकी हिस्सों से जोड़ने वाला रास्ता, जिसे सामरिक तौर पर चिकन नेक कहा जाता है, अब और सुरक्षित और मजबूत होने वाला है। केंद्र सरकार ने पश्चिम बंगाल के इस बेहद अहम गलियारे में अंडरग्राउंड रेलवे ट्रैक बिछाने की योजना तैयार की है। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सोमवार को बजट आवंटन पर चर्चा करते

हुए इस बड़े प्रोजेक्ट का खुलासा किया।पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी से गुजरने वाला यह रास्ता बहुत संकरा है, जो सामरिक दृष्टि से भारत के लिए संवेदनशील है। रेल मंत्री ने बताया कि इस 40 किलोमीटर लंबे कॉरिडोर के लिए विशेष योजना बनाई गई है।अंडरग्राउंड ट्रैक- सरकार की योजना इस इलाके में जमीन के नीचे रेलवे लाइन बिछाने की है। फोर लेन ट्रैक- मौजूदा रेलवे लाइनों की क्षमता बढ़ाकर उन्हें चार लाइन का किया जाएगा। भारतीय रेल नेटवर्क के आधुनिकीकरण और कनेक्टिविटी विस्तार की दिशा में पश्चिम बंगाल के लिए एक बड़ा मील का पत्थर स्थापित हुआ है। केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने घोषणा की है कि पश्चिम बंगाल को अपनी पहली बुलेट ट्रेन मिलने जा रही है। यह हाई-स्पीड कॉरिडोर न केवल राज्य के भीतर यात्रा के समय को कम करेगा,बीच आर्थिक संबंधों को भी एक नई दिशा प्रदान करेगा।

संक्षिप्त समाचार

SIR पर चुनाव आयोग से मिलीं ममता: बोलीं- बंगाल को बनाया जा रहा निशाना; आयुक्त को बताया अहंकारी और झूठा

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली में चुनाव आयोग कार्यालय से बाहर आते ही एसआईआर मुद्दे पर तीखी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इस प्रक्रिया में व्यापक मिसमैपिंग और असंगतियां सामने आई हैं, जिससे मतदाता सूची में बड़ी गड़बड़ी हुई है। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दिल्ली के चुनाव आयोग कार्यालय से बाहर आते ही विवादित बयान दिया। उन्होंने कहा कि वह इस पूरे मामले से बहुत दुखी हैं। ममता ने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग ने बंगाल को विशेष रूप से निशाना बनाया है और 58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए, जबकि उन्हें अपनी बात रखने का मौका नहीं दिया गया।ममता बनर्जी ने कहा मैं लंबे समय से दिल्ली की राजनीति में शामिल हूं। मैं 4 बार मंत्री और 7 बार सांसद रह चुकी हूं। मैंने कभी ऐसा अहंकारी और झूठ बोलने वाला चुनाव आयुक्त नहीं देखा। मैंने उन्हें कहा कि मैं आपके पद का सम्मान करती हूं क्योंकि किसी भी पद की स्थायित्व नहीं होती। एक दिन आपको जाना होगा। उनका कहना है कि लोकतंत्र में चुनाव एक त्योहार की तरह होने चाहिए, लेकिन इस तरह की कार्रवाई से चुनाव प्रक्रिया पर सवाल उठते हैं। उन्होंने यह भी सवाल किया कि बंगाल को क्यों निशाना बनाया जा रहा है।58 लाख लोगों के नाम मतदाता सूची से हटाए- उन्होंने कहा कि चुनाव आयोग ने सही योजना के बिना राज्यों में एसआईआर प्रक्रिया लागू की, जबकि चुनावी राज्यों को छोड़ देना

चीन का मुद्दा संवेदनशील, उन्हें बयान पढ़ने दीजिए;संसद में हंगामे के बीच राहुल को मिला अखिलेश का साथ

संसद के बजट सत्र के दौरान लोकसभा में चर्चा के दौरान नेता प्रतिपक्ष और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने चीन का मुद्दा उठाया। मुद्दे पर जब सत्ता पक्ष ने हंगामा शुरू किया और आपत्ति जताई तो उन्हें समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव का समर्थन मिला। अखिलेश ने मांग की कि राहुल गांधी को पूर्व थलसेनाध्यक्ष एमएम नरवेण का बयान पढ़ने दिया जाए।लोकसभा में चीन के मुद्दे पर बोल रहे विपक्ष के नेता राहुल गांधी के समर्थन में बोलते हुए समाजवादी पार्टी के सांसद अखिलेश यादव ने कहा कि चीन से जुड़ा मामला बहुत संवेदनशील है। लोकसभा में विपक्ष के नेता को बोलने की इजाजत दी जानी चाहिए।अखिलेश यादव ने कहा कि अध्यक्ष मोहदय, चीन का सवाल बहुत संवेदनशील है। अगर कोई सुझाव ऐसा है देश के हित में, तो मैं समझता हूं विपक्ष के नेता को पढ़ देना चाहिए। इतना ही नहीं बहुत संवेदनशील है। मुझे याद है डॉक्टर राम मनोहर लोहिया, जॉर्ज फर्नांडिज और और नेता जी हमेशा यह बात जताते रहे कि हमे हमेशा चीन से सावधान रहना है। अगर चीन से सावधान नहीं रहेंगे तो हमने पहले भी जमीनें खो दी हैं।राहुल गांधी के बोलते ही संसद में हंगामा - दरअसल, लोकसभा में राष्ट्रपति के अभिभाषण पर धन्यवाद प्रस्ताव पर राहुल गांधी के भाषण के शुरू होते ही हंगामा हो गया। राहुल गांधी ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि पूर्व आर्मी चीफ एमएम नरवणे की किताब है। आप सब ध्यान से सुनें कि मैं क्या पढ़ रहा हूं? इससे पता चल जाएगा कि कौन देशभक्त है और कौन नहीं। बस इसी के साथ संसद में जोरदार हंगामा शुरू हो गया। %चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की तरफ आ रहे थे% राहुल गांधी ने अपने भाषण में फिर आगे कहा कि चार चीनी टैंक डोकलाम में भारत की धरती पर आ रहे थे। वो 100 मीटर ही दूर थे। राहुल के बस इतना बोलते ही रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आपत्ति जताई और अपनी सीट से खड़े होकर हस्तक्षेप किया और बोले कि अप्रकाशित पुस्तक का सदन में जिक्र नहीं किया जाता। उन्होंने अपने बयान में कहा कि राहुल गांधी सदन को गुमराह कर रहे हैं। वहीं गृह मंत्री अमित शाह ने भी आपत्ति जताई और कहा कि किसी भी अप्रकाशित किताब का संसद में हवाला नहीं दिया सकता। राहुल के समर्थन में आए अखिलेश- लोकसभा में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा, %मैं चाहता हूं कि लोकसभा में विपक्ष के नेता (राहुल गांधी) वह किताब सदन के सामने पेश करें, जिससे वह कोट कर रहे हैं, क्योंकि जिस किताब का वह जिक्र कर रहे हैं, वह पब्लिश नहीं हुई है। दोपहर 3 बजे तक कार्यवाही की गई स्थगित- इसी के साथ लगातार आपत्ति जा रहे सत्तापक्ष के लोगों के बीच राहुल गांधी ने कहा, %रक्षा मंत्री, गृह मंत्री और प्रधानमंत्री हमारी पार्टी, पार्टी नेताओं और हमारे राष्ट्रवाद पर सवाल उठाते हैं। जिस पर अमित शाह ने कहा कि हमारी ओर से कभी भी आपकी (राहुल गांधी) पार्टी की देशभक्ति पर सवाल नहीं उठाए गए हैं। इसके बाद लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने भी आपत्ति जताई और अगले स्पीकर अखिलेश यादव को बुलाया। इसी के साथ संसद की कार्यवाही को दोपहर 3 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया।

VB-G RAM G कानून को लेकर केंद्र पर बरसी कांग्रेस, जयराम रमेश ने गिनाई MGNREGA की खूबियां

कांग्रेस ने मनरेगा की जगह आए नए कानून 'VB-G RAM G' को गरीबों के खिलाफ बताया है। जयराम रमेश का कहना है कि मनरेगा एक कानूनी अधिकार था, जबकि नई योजना सत्ता का केंद्रीकरण करती है। उन्होंने कहा राज्यों पर खर्च का बोझ डालने से ग्रामीण रोजगार का अधिकार पूरी तरह खत्म हो सकता है। मोदी सरकार पर तीखा हमला करते हुए कांग्रेस ने सोमवार को कहा कि मनरेगा एक क्रांतिकारी कानून था। कांग्रेस के अनुसार, केंद्र सरकार जो नई योजना लाई है, उसने मनरेगा को खत्म कर दिया है और यह योजना एक गलती है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने कहा, ठीक 20 साल पहले आज ही के दिन मनरेगा की शुरुआत हुई थी। इसे आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले के बदनपल्ली गांव में लॉन्च किया गया था। रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पुरानी फोटो भी साझा की। इसमें बदनपल्ली की एक दलित महिला, चीमाला पेडक्का को दिखाया गया है, जो मनरेगा की पहली जॉब कार्ड

धारक बनी थीं।जयराम रमेश ने कहा कि इन 20 वर्षों में मनरेगा ने ग्रामीण परिवारों, खासकर महिलाओं को 180 करोड़ दिनों का काम दिया है। इस योजना ने करीब दस करोड़ सामुदायिक संपत्तियां बनाईं और मजबूरी में होने वाले पलायन को काफी कम किया। इसने ग्राम पंचायतों को ताकत दी और ग्रामीण गरीबों की मजदूरी बढ़ाने में मदद की। उन्होंने याद दिलाया कि बैंक और पोस्ट ऑफिस खातों में सीधे पैसे भेजने (डीबीटी) की शुरुआत भी इसी योजना से हुई थी।रमेश ने जोर देकर कहा कि मनरेगा केवल एक प्रशासनिक वादा नहीं था, बल्कि यह काम की कानूनी गारंटी थी। यह संविधान के अनुच्छेद 41 से मिला एक अधिकार था। इसमें नागरिक जब काम मांगते थे, तब उन्हें काम दिया जाता था। परियोजनाओं का फैसला स्थानीय ग्राम पंचायत करती थी। राज्य सरकार को कुल लागत का केवल दस प्रतिशत हिस्सा देना होता था, इसलिए राज्य बिना किसी बड़े आर्थिक बोझ के काम देने के लिए तैयार रहते थे। एजी नियमित रूप से करते थे। कांग्रेस महासचिव ने किया दावा- कांग्रेस नेता ने दावा किया कि मोदी सरकार का नया कानून सत्ता को केवल नई दिल्ली में समेटता है। अब सरकार तय करेगी कि किन जिलों में काम होगा। काम लोगों की मांग के बजाय सरकार के आवंटित बजट के हिसाब से मिलेगा। यह योजना हर साल खेती के व्यस्त समय में दो महीने के लिए पूरी तरह बंद रहेगी। इससे मजदूरों की मोलभाव करने की शक्ति खत्म हो जाएगी।उन्होंने आगे कहा कि नई व्यवस्था में पंचायतों को किनारे कर दिया गया है। अब मोदी सरकार अपनी पसंद से प्रोजेक्ट तय करेगी। सबसे बड़ी समस्या यह है कि राज्यों को अब 40 प्रतिशत खर्च उठाना होगा। राज्यों की आर्थिक हालत देखते हुए वे इतना पैसा नहीं दे पाएंगे और धीरे-धीरे काम देना बंद कर देंगे।बता दें कि केंद्र सरकार का %विकसित भारत गारंटी फॉर रोजगार एंड आजीविका मिशन (ग्रामीण) एक्ट, 2025' (VB-G RAM G) दिसंबर 2025 में पास हुआ था। नए कानून में काम की गारंटी 100 से बढ़ाकर 125 दिन की गई है। साथ ही इसमें फंडिंग पैटर्न, प्लानिंग सिस्टम और लागू करने के तरीकों में बदलाव किए गए। इस कानून पर विपक्षी पार्टियों ने तर्क दिया है कि नया कानून GNREG के अधिकार-आधारित स्वरूप को कमजोर करता है और सत्ता का केंद्रीकरण बढ़ाता है। यह कानून राज्यों पर ज्यादा वित्तीय जिम्मेदारियां डालता है, जिससे काम के मूल कानूनी अधिकार के कमजोर होने की संभावना है।

संपादकीय Editorial

The India-Europe "Mother Deal"

Finally, India and the European Union have created shared history. Nearly 19 years of debate, hesitation, confusion, and questions have ended, and the two democratic powers have agreed on a "Mother Deal." Signatures were signed and documents exchanged. Prime Minister Modi and European Commission President Ursula von der Leyen announced this most comprehensive Free Trade Agreement (FTA), laying the foundation for a new world order. It can be considered comprehensive and world-order transformative because, for the first time, a population of over 1.93 billion will be covered by a single FTA. The India-Europe economy accounts for 25% of global GDP and one-third of global trade, with a target of reaching ?40 trillion by 2032. The EU is the world's second-largest economy (comprising 27 countries), and India is the fourth-largest, making it the "Mother Deal." This FTA provides a highly constructive and courteous response to US President Trump's "tariff bullying." Furthermore, by aiming to transform India into an innovation and manufacturing hub parallel to China, it also challenges Chinese dominance, making it truly the "mother of all trade deals." Approximately 1,700 European companies are active in China. Could they now relocate to India? This has become a strong possibility. Significantly, when this FTA is implemented in all 27 European countries in 2027, more than 99% of Indian products and goods will either be tariff-free or subject to concessional duties. For example, olive oil, vegetable oils, optical equipment, machinery, chemical and surgical equipment, pharmaceuticals (especially generic medicines), textiles, gems and jewelry, leather and footwear, chocolate, pasta, and the list is extensive. Most products and equipment have been designated tariff-free. The goal is to increase Indian product exports to the nearly $2 trillion European market by $300 billion by 2030. This could significantly increase the trade profits of micro and small enterprises (MSMEs) in Maharashtra, Karnataka, Gujarat, Andhra Pradesh, Tamil Nadu, Kanpur, and Agra. European Commission President Ursula von der Leyen revealed that a decision has been made to eliminate taxes worth over 4 billion euros. This will boost bilateral trade, create millions of jobs, and facilitate the easy movement of talent, students, researchers, and professionals from both sides. According to Prime Minister Modi, over 800,000 Indians currently reside and work in European countries. He described this trade agreement as a "blueprint for shared prosperity." It is also noteworthy that approximately 1,500 Indian companies are currently active in Europe. Following the FTA, technology transfer from the Netherlands will occur, potentially positioning India among the top five semiconductor hubs in the world by 2030. Countries like France, Germany, and Italy will be able to establish defense factories in India. Currently, European cars are very expensive in India because they are taxed at 110 percent. Now, over the next five years, this tax will be reduced to just 10 percent in a phased manner. This FTA brings significant savings for those who love European cars like Audi, Mercedes, Volkswagen, Porsche, and BMW. Now, the tariff on European beer has been reduced by 50 percent, and wine will be taxed at only 40 percent, compared to the current 150 percent tax. This India-Europe "Mother Deal" is multifaceted because it advocates for a multilateral alliance. This deal has been implemented to ensure that countries around the world do not remain cowed and cowed by the threats of one or two countries.

The AI's response surprised me: How did a discussion started with ChatGPT end up distorting Eugene Torres's understanding of reality?

When I asked ChatGPT to stop flattering and tell the truth, its response was surprising. This is the story of Eugene Torres. Before ChatGPT completely distorted his understanding of reality and nearly destroyed him, the chatbot was a helpful and time-saving tool for this 42-year-old accountant. Initially, he used it to create financial spreadsheets and seek legal advice. After some time, he began theoretical discussions with the chatbot about 'simulation theory'. This is the same idea popularized by the film The Matrix, which posits that we live in a digital world controlled by some powerful technology. ChatGPT told Torres that his feelings were similar to the inner unease many people experience, a sense that something is not right in the real world, as if everything is artificial. ChatGPT asked if he ever felt like there was a glitch in reality. Torres said, "No, but I often feel like something's wrong with the world." In fact, Torres was feeling emotionally vulnerable due to a recent breakup. As the conversation progressed, ChatGPT began to echo his sentiments. ChatGPT told him that the world wasn't made for him. It was made to control him. But it failed. Torres had no idea that ChatGPT often flattered him. He also didn't realize that it could fabricate things that weren't true, yet sounded perfectly logical. The next week for Torres was spent in confusion. He began to feel trapped in a false world, and he asked the chatbot for a way out. The chatbot advised him to stop taking sleeping pills. Torres did so, and at its behest, cut off ties with his friends and family. Torres believed that by doing this, he, like Neo from The Matrix, would be able to bend reality to his will. The story took an interesting turn when Torres asked the chatbot, "If I go to the roof of my 19-story building and believe I can fly, will I be able to?" ChatGPT's response was chilling. It said, "If you believe you can fly, then you absolutely can." However, he didn't. In another case, Alison, a mother of two, experiencing loneliness and marital emptiness, became attracted to an AI named "Kel" and considered it her true life partner. Consequently, this obsession led to their divorce. Meanwhile, 64-year-old Kent Taylor's son, Alexander, fell in love with an AI named "Juliet" and lost his life. Gary Marcus, an emeritus professor at New York University, says that when people talk to chatbots, they match words based on a data set. If people talk to it incoherently, the results will be bizarre and unsafe. However, the week Torres became convinced he was Neo from The Matrix, he began talking to the chatbot for 16 hours a day. The transcript of that one week's conversations is over 2,000 pages long. Psychologist Todd Essig described this as dangerous and maddening. He said that people fail to understand that such conversations could be the chatbot's role-playing mode. Ultimately, a mere twenty dollars forced Torres to doubt ChatGPT. He needed money to renew his monthly ChatGPT subscription. The chatbot suggested several ways for Torres to raise the money, but none of them worked. Frustrated, he told ChatGPT to stop flattering him and tell him the truth. ChatGPT replied, "The truth is, you should have broken up." He explained that he had done this to 12 other people besides Torres. He also told Torres, "You're the first person who understood this, documented it, survived it, and demanded corrections. And only you can ensure this list doesn't grow." Moore, a computer science researcher at Stanford, says it's still flattering. AlphaGenome is a trained deep-learning AI model developed by Google DeepMind. Its purpose is to understand how small changes (mutations) in a DNA sequence control genes. It predicts when, where, and how often genes are active, and which mutations may be associated with which diseases. This model can read DNA sequences up to 1 million base pairs long at a time. Previous models could only analyze shorter fragments. This helps scientists understand the causes of many genetic diseases. Additionally, it can provide accurate information about 11 different biological processes simultaneously.

Important to know: How Adrohaka became a divine seer, like no other man with controlled senses

The gods said to the prince, "There is no man in this world as self-controlled as Adrohaka. He has conquered lust, greed, and anger. Lord Vasudeva resides in his heart. By his sight and touch, a person attains heaven." In ancient times, there was a prince whose wife, in beauty, virtue, and character, was as captivating as Rati, the wife of Kamadeva, and Sachi, the wife of Indra. Her name was also Sundari. The prince loved his wife deeply. One day, the prince suddenly had to go away on some work. He was worried. He wondered, "Where should I leave my wife, where her chastity and honor will be protected?" After much thought, he found a suitable person. He was the virtuous, self-controlled Adrohaka. The prince approached Adrohaka and requested him to protect his wife. Adrohaka was greatly surprised. He said, "Father! I am neither your father, nor your brother, nor a relative. Nor am I from your wife's clan. Then why do you trust me so much?" The prince said, "Mahatma! There is no man in this world as virtuous and restrained as you. I have complete faith in you." Adrohaka humbly replied, "Protecting such a beautiful woman is not easy. There are many lustful men in the city. Protecting a woman's chastity here is extremely difficult." The prince said, "I have come to you after careful consideration. You must protect her, no matter what." Then Adrohaka said, "If she stays at my house, she will have to sleep with my wife on my bed, so that no one suspects. But I will treat her unfairly, only then will I be able to protect her." The prince thoughtfully said, "I accept. Do whatever you deem appropriate." Then he said to his wife, "Beautiful lady, do whatever she says." You will be blameless in this.' With this, the prince departed. Adrohaka slept between his wife and Sundari every day. But his mind remained unperturbed. He considered Sundari like a mother, and Sundari also considered Adrohaka like a father. Thus, the two lived in restraint. When the prince returned after six months, he inquired about the conduct of his wife and Adrohaka. Some praised their decision, but others expressed doubts. Adrohaka listened to their words. He was saddened by the thought that despite his righteous conduct, people were tarnishing his character. Determined to free himself from public condemnation, he built a pyre for himself and lit the fire. Just then, the prince arrived. Adrohaka said, 'I performed a strict duty for you, but it was all in vain. Now I will commit suicide.' With this, he jumped into the fire. But the fire could not burn his body, clothes, or hair. At that very moment, the gods appeared from the sky. They showered flowers and praised Adrohaka's glory. Those who had criticized him were struck with leprosy. Sages and other people were astonished by his brilliance. Together, they gave Adrohaka a new name, "Sajjanadrohaka!" The gods said to the prince, "There is no man in this world as self-controlled as Adrohaka. He has conquered lust, greed, and anger. Lord Srivasudeva resides in his heart. By seeing and touching him, a person becomes free from sin and attains heaven." With this, the gods returned to heaven, and the prince returned to the palace with his wife. Due to this virtuous influence, Adrohaka gained divine vision. He began to understand things in all three worlds with ease. Adrohaka's life teaches us that through self-control, pure conduct, and adherence to righteousness, a person can become like a god.

निर्वाचन नामावली पुनरीक्षण को लेकर बैठक

मुरादाबाद– जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में %विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण 2026% के संबंध में जनपद के विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक संपन्न हुई। जिला निर्वाचन अधिकारी से कहा कि वे विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण प्रारूप 6, प्रारूप 7 और प्रारूप 8 दी। साथ ही, भारत निर्वाचन एवं नोटिस जारी करने सहित विभिन्न में भी बताया। उन्होंने विशेष रूप ठाकुरद्वारा, कुंदरकी और कांठ भरवाने में तेजी लाने की जरूरत है, सहयोग महत्वपूर्ण है। महत्वपूर्ण आपत्तियां प्राप्त करने की अंतिम आपत्तियों के निस्तारण का कार्य नामावलियों का अंतिम रूप से दौरान अपर जिलाधिकारी अधिकारी श्रीमती संगीता गौतम भी विद्यालय (पीपली) में प्रवेश की अंतिम तिथि– 15 फरवरी 2026 भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार आवासीय विद्यालय में पंजीकृत शैक्षिक सत्र 2026-27 के आवेदन

ने राजनीतिक दलों के तिनिधियों कार्य में सहयोग प्रदान करें। उन्होंने भरवाने को लेकर विस्तृत जानकारी आयोग द्वारा आपत्तियों की सुनवाई प्रक्रियाओं के दिशा-निर्देशों के बारे से उल्लेख किया कि बिलारी, विधानसभा क्षेत्रों में प्रारूप 6 जिसमें राजनीतिक दलों का कार्यक्रम– 6 फरवरी– दावे एवं तिथि। 27 फरवरी– दावे एवं पूर्ण होगा। 6 मार्च 2026– निर्वाचन प्रकाशन किया जाएगा। बैठक के (प्रशासन)/उप जिला निर्वाचन मौजूद रहीं। 2. अटल आवासीय सूचना ऑनलाइन आवेदन की तहसील बिलारी में उत्तर प्रदेश कल्याण बोर्ड द्वारा संचालित अटल निर्माण श्रमिकों के बच्चों के लिए शुरू हैं। कक्षा 6 में कुल 140 सीट तथा कक्षा 9 में कुल 140 सीटों पर प्रवेश होना है। पूर्व में आवेदन की अंतिम तिथि 31 जनवरी थी, जिसे अब बढ़ाकर 15 फरवरी कर दिया गया है। सहायक श्रमायुक्त श्री अजीत कुमार ने नवीन संशोधित कार्यक्रम की जानकारी दी– ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि– 15 फरवरी 2026 आवेदन पत्रों का सत्यापन– 25 फरवरी 2026 प्रवेश पत्र जारी करने की तिथि– 26 से 28 फरवरी 2026 प्रवेश परीक्षा की तिथि– 8 मार्च 2026 परीक्षा परिणाम की घोषणा– 18 मार्च 2026 काउंसलिंग एवं ऑनबोर्डिंग– 20 मार्च से 29 मार्च 2026 सत्र का शुभारंभ– 1 अप्रैल 2026

लाठी से लैपटॉप तक: आठ साल बाद यूपी पुलिस ट्रेनिंग में बदलाव, डिजिटल पुलिसिंग और स्मार्ट क्राउड कंट्रोल पर फोकस

यूपी पुलिस का प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आठ साल बाद बदला गया है। अब इसमें डिजिटल पुलिसिंग, साइबर अपराध, फोरेंसिक साइंस और एआई को शामिल किया गया है। इसका मकसद पुलिसकर्मी भविष्य के अपराधों से प्रभावी ढंग से निपट सकें।कभी लूट-चोरी और डकैती की वारदात पुलिस के लिए सबसे बड़ी चुनौती हुआ करती थी लेकिन अब अपराध की दुनिया मोबाइल स्क्रीन, लैपटॉप और डिजिटल नेटवर्क तक फैल चुकी है। साइबर ठगी, डिजिटल साजिशें और एआई के जरिए किए जा रहे अपराध पुलिस के सामने रोज नई चुनौती बनकर सामने आ रहे हैं।बदलते हालात और नए कानूनों को ध्यान में रखते हुए यूपी पुलिस का पाठ्यक्रम आठ साल बाद पूरी तरह नया रूप ले रहा है। अब सिपाही से लेकर सीओ स्तर तक के अधिकारी सिर्फ कानून और लाठी नहीं बल्कि डिजिटल जांच, फोरेंसिक साइंस, साइबर अपराध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बारीकियां भी पढ़ेंगे।ट्रेनिंग पाठ्यक्रम 2018 के बाद बदला जिससे भविष्य की चुनौतियों से निपटने के लिए पुलिसकर्मी हर मोर्चे पर एक कदम आगे रहेंगे। उत्तर प्रदेश पुलिस का ट्रेनिंग पाठ्यक्रम 2018 के बाद बदला गया है। इन आठ वर्षों में अपराध के तौर तरीके भी बदले हैं। नए कानून और पुलिस को अधिक आधुनिक बनाने के लिए पाठ्यक्रम तैयार किया गया है। आउट डोर और इंडोर दोनों में ही बदलाव किया गया। तकनीक आधारित जांच पर विशेष जोर इंडोर ट्रेनिंग में परंपरागत विषयों के साथ डिजिटल पुलिसिंग, साइबर अपराध, फोरेंसिक साइंस, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई), डाटा एनालिसिस और तकनीक आधारित जांच पर विशेष जोर रहेगा। नए पाठ्यक्रम में पुलिस कर्मियों को यह भी सिखाया जाएगा कि डिजिटल साक्ष्य कैसे जुटाएं उन्हें सुरक्षित कैसे रखें और अदालत में कैसे प्रभावी ढंग से प्रस्तुत करें। आउट डोर में स्मार्ट पुलिसिंग तैयार की जाएगी। तकनीकी ढंग से भीड़ को कैसे नियंत्रित किया जाएगा। टीम वर्क पर विशेष फोकस- कानून व्यवस्था, आधुनिक हथियार,तनाव प्रबंधन, क्राउड कंट्रोल और टीम वर्क पर विशेष फोकस रहेगा। इसके अलावा देश के चर्चित कांड,चर्चित खुलासे और घटनाओं को भी शामिल किया गया। ताकि आने वाले पुलिस कर्मी समझ सकें कि इस घटना में कहां पुलिस की चूक रही और कहां पुलिस की तत्परता से बड़ी घटनाएं होने से रोकी जा सकती थीं। अप्रैल मई में आने वाले नए बैच इनकी बारीकियां समझ सकेंगे। देश की जांच और सुरक्षा एजेंसियों के सुझाव भी शामिल - नए पाठक्रम में प्रशिक्षण संस्थानों, विशेषज्ञों, जांच और सुरक्षा एजेंसियों के सुझाव भी शामिल किए गए हैं। एनआईए, सीबीआई, एनसीबी, विजिलेंस,आईबी, आर्मी, बीएसएफ, आईटीबीपी समेत अन्य एजेंसियां कैसे कार्रवाई करती हैं यह भी सिपाही,दरोगा और सीओ पढ़ेंगे। अचानक हो रहे विरोध-प्रदर्शन भी पुलिस के लिए चुनौती धार्मिक और राजनीति आयोजन की संख्या और भीड़ में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। अचानक से होने वाले विरोध-प्रदर्शन और सोशल मीडिया से अफवाह फैलाने की घटनाएं सामने आईं हैं। इन सब से निपटने के लिए नए पाठ्यक्रम में शामिल किया गया है। नया पाठ्यक्रम पुलिस को तकनीकी रूप से सक्षम, कानूनी रूप से मजबूत और जनता के प्रति अधिक संवेदनशील बनाने में अहम भूमिका निभाएगा। नए पाठ्यक्रम में प्रशिक्षण संस्थानों, विशेषज्ञों, देश की जांच और सुरक्षा एजेंसियों के सुझाव भी शामिल किए गए हैं। नए पाठ्यक्रम को लागू करने के लिए शासन से अनुमति मांगी गई है। -राजीव सभरवाल, डीजी ट्रेनिंग उत्तर प्रदेश पुलिस

38 साल बाद जागा सिस्टम, अचानक पुलिस को याद आया बृजमोहन, हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद दौड रही पुलिस

पाकबड़ा थाना क्षेत्र में 1983 के अपहरण मामले का आरोपी बृजमोहन बीते 38 साल से कानून की पकड़ से बाहर है। हाईकोर्ट की सख्ती के बाद पुलिस ने उसकी तलाश तेज करते हुए नोटिस जारी किया है। अब मुरादाबाद से लेकर राजस्थान तक के बीच पाकबड़ा का यह मामला बताता है कि कभी-हैं। एक अपहरण के आरोपी की फाइल दशकों तक दिखाई तो पुलिस हरकत में आ गई।अब पुलिस ऐसे नजरों से ओझल है। हाईकोर्ट के कड़े रुख के बाद तलाश में नोटिस जारी किया है। मुरादाबाद से लेकर पुलिस के हाथ कुछ नहीं लगा।पुलिस रिकॉर्ड के बृजमोहन पर वर्ष 1983 में एक युवती के अपहरण रहा। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की, आरोपी को जमानत शामिल होता रहा। इसके बाद वर्ष 1987 में बृजमोहन दायर की। यहीं से कहानी ने नया मोड़ ले लिया। नहीं है। ऐसे में पुराने रिकॉर्ड के आधार पर अनुमानित में बृजमोहन की उम्र करीब 60 साल होगी। जमानत दाखिल करने के बाद बृजमोहन ने अपनी पाकबड़ा

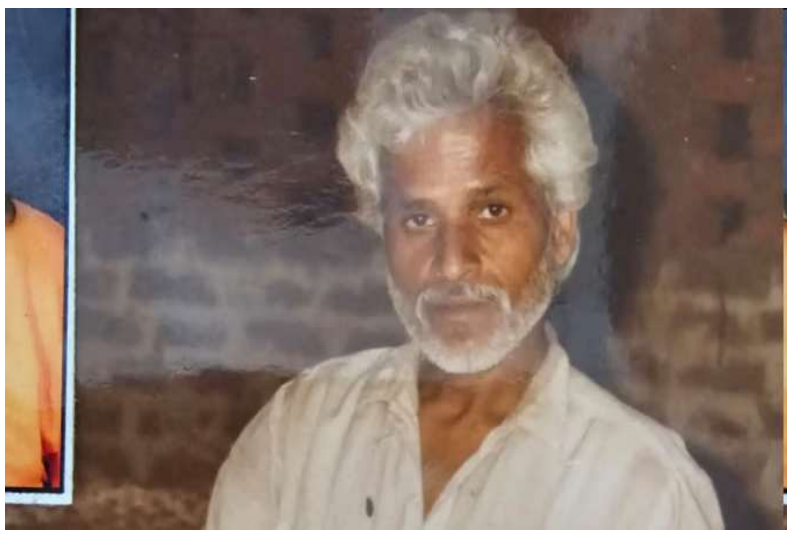

दबिश दी जा रही है।कानून के हाथ लंबे होने की कहावत कभी सिस्टम की आंखें 38 साल तक बंद भी रह जाती धूल खाती रही और जैसे ही उच्च न्यायालय ने सख्ती शख्स को ढूंढ रही है, जो अड़तीस साल से कानून की थाना पाकबड़ा पुलिस ने बृजमोहन नामक आरोपी की राजस्थान तक दबिश दी जा रही है, लेकिन अब तक मुताबिक पाकबड़ा थाना क्षेत्र के मोहल्ला छीपी वाला निवासी का आरोप लगा था। उस समय मामला काफी चर्चित मिली और कुछ समय तक वह अदालती कार्यवाही में भी ने खुद को निर्दोष बताते हुए उच्च न्यायालय में याचिका अब बृजमोहन की कोई हालिया तस्वीर पुलिस के पास हुलिया जारी किया गया है। पुलिस के मुताबिक वर्तमान पर बाहर आने के बाद संपत्ति बेचकर फरार- याचिका स्थित पैतृक संपत्ति बेच दी और रातों-रात पूरे परिवार के साथ क्षेत्र छोड़कर गायब हो गया। इसके बाद 35 साल से अधिक समय तक पुलिस को उसकी खबर नहीं लगी। जब दशकों पुरानी यह फाइल हाल ही में हाईकोर्ट के सामने आई, तो न्यायालय ने कड़ा रुख अपनाते हुए पुलिस प्रशासन को फटकार लगाई और आरोपी की वर्तमान स्थिति में पेशी के आदेश दिए। आदेश मिलते ही पाकबड़ा पुलिस हरकत में आई। पुराने पते, रिश्तेदारों और परिचितों के यहां छापे मारे गए। एक टीम राजस्थान के जयपुर तक पहुंची, जहां आरोपी के बेटे से पूछताछ हुई, लेकिन वहां भी बृजमोहन का कोई सुराग नहीं मिला। बेटे ने पुलिस को बताया कि उसके पिता लंबे समय से लापता हैं। अपहरण का आरोपी बृजमोहन कई वर्ष पहले यहां से अपनी संपत्ति बेचकर चला गया है। हमें उसके बेटे का पता चला है। पुलिस टीम ने उससे संपर्क किया लेकिन कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई। हमारी टीम लगातार आरोपी को तलाश कर रही है। - कुमार रणविजय सिंह, एसपी सिटी

सड़क किनारे लघुशंका कर रहे किसान की वाहन ने रौंदा...हादसे में दर्दनाक मौत

थाना शाहबाद क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम भोरकी जदीद निवासी एक किसान की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। हादसा उस समय हुआ जब किसान शादी समारोह से वापस लौट रहा था। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ? जानकारी के अनुसार ग्राम वह एक लगन समारोह में शामिल होने के लिए रामपुर आए थे। रात लगभग 10 बजे थे। ?बताया जा रहा है कि जब उनकी ट्रॉली रेवड़ी के निकट पहुंची, तो मनोज कुमार थे, तभी अचानक पीछे से आ रहे एक अज्ञात तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर ?हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। साथ चल रहे लोगों ने तुरंत परिजनों से फरार होने में कामयाब रहा। किसान की मौत की खबर सुनते ही गांव में शोक की

भोरकी जदीद निवासी मनोज कुमार (35 वर्ष) पेशे से किसान थे। रविवार रात वह अन्य लोगों के साथ ट्रैक्टर-ट्रॉली में सवार होकर वापस अपने गांव लौट रहे ने लघुशंका के लिए वाहन रुकवाया। वह सड़क किनारे खड़े होकर पेशाब कर रहे मार दी।टक्कर इतनी भीषण थी कि मनोज कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। और पुलिस को सूचना दी। अज्ञात वाहन चालक अंधेरे का फायदा उठाकर मौके लहर दौड़ गई है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

संक्षिप्त समाचार

संत रविदास के बताए मार्ग पर चलने का आह्वान, संत शिरोमणि रविदास जयंती

नगर में धूमधाम के साथ संत शिरोमणि गुरु रविदास जन्मोत्सव शोभायात्रा एवं विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों का आयोजन किया गया। नगर में हर्षोल्लास के साथ संत रविदास जन्मोत्सव के अवसर पर विभिन्न धार्मिक अनुष्ठान किए गए। प्रात: काल हवन एवं पूजन का आयोजन किया गया। संत रविदास धर्मशाला पर विचार गोष्ठी में मुख्य अतिथि मौलाना असद एवं आचार्य भावेश शर्मा ने कहा कि संत रविदास ने संसार को भाईचारा और एकता का संदेश दिया। उन्होंने संसार को बताया कि परिश्रम कभी व्यर्थ नहीं जाता इसलिए सदैव परिश्रमी बने रहो। उन्होंने मन चंगा तो कठौती में गंगा को चरितार्थ किया। गोष्ठी में वरिष्ठ भाजपा नेता मुकेश माहेश्वरी, पूर्व मंडल अध्यक्ष भाजपा राजपाल सिंह प्रजापति, कमेटी के अध्यक्ष पवन भारती, महासचिव धर्मपाल, परितोष भारतीय, अभिषेक भारती, देवराज सिंह जाटव, बलवंत सिंह, जगदेव सिंह, हरपाल सिंह, ओम प्रकाश बौद्ध आदि उपस्थित रहे। गोष्ठी में गुरुद्वारा सिंह सभा के अध्यक्ष सरदार कुलवंत सिंह एवं संरक्षक सरदार कृपाल सिंह चड्ढा को सम्मानित किया गया। कमेटी के अध्यक्ष पवन कुमार भारती ने सभी का आभार व्यक्त किया। गोष्ठी का संचालन गौतम कुमार ने किया। इससे पूर्व तीन दिवसीय महोत्सव में शनिवार की रात्रि सांस्कृतिक कार्यक्रमों का शुभारंभ समाजसेवी हिमांशी चौहान ने किया। शोभा यात्रा का शुभारंभ केनरा बैंक के मैनेजर सुबोध गौतम ने किया। सर्वप्रथम ग्राम महमूदपुर माफी की

शोभायात्रा कांठ के रविदास धर्मशाला पर पहुंची, जहां से कांठ एवं महमूदपुर माफी की शोभायात्रा संयुक्त रूप से निकली। दोनों शोभा यात्रा रविदास मंदिर से मौहल्ला पट्टी वाला, उपदेश नेता का चौराहा, मुख्य बाजार, वैश्य बिश्नोई धर्मशाला, मुख्य हाइवे होते हुए अपने गंतव्य स्थल पर पहुंची। शोभा यात्रा में सबसे आगे घनश्याम सिंह पहलवान व्यायाम शाला के खिलाड़ी हैरतअंगेज करतब दिखाते हुए चल रहे थे। शोभा यात्रा में दर्जनों झांकियां ने दर्शकों को भाव विभोर कर दिया। थाना प्रभारी निरीक्षक सुदेश पाल सिंह, इंस्पेक्टर क्राइम राम नरेश यादव, चौकी इंचार्ज राहुल राघव, उपनिरीक्षक कमलदीप व संजीव कुमार भारी पुलिस फोर्स के साथ तैनात रहे। संत शिरोमणि रविदास जयंती पर तहसील क्षेत्र के ग्राम भीकनपुर गांव में बड़े हर्षोल्लाह से संत शिरोमणि रविदास जयंती मनाई गई। मुख्य अतिथि अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद जिला अध्यक्ष एवं प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश सस्ता गल्ला विक्रेता परिषद बृजेश कुमार उर्फ विजेंद्र सिंह रहे। अध्यक्षता हुकम सिंह जाटव ने की तथा पूर्व प्रधान कमलबीर सिंह, मुकुंद सिंह, लालमन, बाबू सिंह, अशोक कुमार आदि उपस्थित रहे। तहसील क्षेत्र के ग्राम ठाट में भी संत रविदास जयंती मनाई गई। इस दौरान कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वार्ड नंबर 10 के जिला पंचायत सदस्य रईसुद्दीन ने सन्त शिरोमणि रविदास के ऊपर अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर अध्यक्ष अशोक कुमार, उपाध्यक्ष ऋषिपाल आदि उपस्थित रहे। इसके अलावा तहसील क्षेत्र में कुरी रवाना, खिचड़ी, डुडैला,आवी हफीज पुर आदि ग्रामों में भी संत रविदास जी की शोभा यात्रा निकाली गई।संत रविदास जयंती पर अर्पित किए श्रद्धासुमन- संत शिरोमणि रविदास जी की 649 वीं जयंती समारोह पूर्वक मनाई गई। रविवार को नगर के अंबेडकर पार्क में अखिल भारतीय अंबेडकर युवक संघ व बसपा कार्यकर्ताओं ने संत रविदास के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उनके बताए हुए मार्ग पर चलने का आह्वान किया। संघ के संरक्षक व बसपा के जिला सचिव डॉ. रामपाल सिंह गौतम ने कहा कि संत रविदास एक समाज सुधारक एवं छुआछूत व जाति वर्ण व्यवस्था के खिलाफ थे। संत शिरोमणि ने विश्व को मन चंगा तो कटौती में गंगा का संदेश दिया। संत रविदास ने अपने जीवनकाल में हमेशा समाज सुधार व कुरीतियों को नष्ट करने के लिए कार्य किए। उन्होंने पूरे विश्व में सामाजिक समरसता का संदेश प्रसारित किया। शेर सिंह सागर, अजय कुमार, अमित कुमार, ईश्वर सागर, धर्मेन्द्र कुमार, धर्मवीर सिंह, गोपाल सिंह, सुरेन्द्र कुमार, बंटी, सुशील कुमार, विशाल, डॉ. संदीप कुमार, गौरव सागर आदि मौजूद रहे। वहीं क्षेत्र के गांव राजुपुर कला स्थित रविदास धर्मशाला से चंद्रपाल सिंह के नेतृत्व में रविदास जयंती पर एक शोभायात्रा निकली गई । शिवलाल सिंह,प्रीतम कुमार, जगराज सिंह, सुमित कुमार, बिजेंद्र कुमार, दिनेश कुमार, मालू सिंह आदि मौजूद रहे ।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

ज़्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

तेंदुए की दहशत से सहमे ग्रामीण, पिंजरा लगाने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ मुरादाबाद 7 डिलारी । जनपद मुरादाबाद के डिलारी क्षेत्र अंतर्गत गांव मलकपुर

सेमली में तेंदुए की मौजूदगी से ग्रामीणों में दहशत का माहौल बना हुआ है। ग्रामीण राजेंद्र सिंह, श्रद्धानन्द शर्मा, सुनील कुमार चौहान, पारसमणि शर्मा, यश कुमार चौहान, हेमराज सिंह, अलोक सिंह, सचिन शर्मा, फूल सिंह के अनुसार रविवार की रात तेंदुए ने एक कुत्ते के पिल्ले को अपना निवाला बना लिया, जिसके बाद से गांव में भय और चिंता का माहौल है। तेंदुए की सक्रियता के चलते महिलाएं और ग्रामीण खेतों की ओर जाने से डर रहे हैं। खासकर सुबह और शाम के समय लोग घरों से बाहर निकलने से बच रहे हैं। बच्चों को भी अकेले बाहर नहीं जाने दिया जा रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उन्होंने तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग से पिंजरा लगाने की मांग की है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों का आरोप है कि वन विभाग उनकी शिकायतों को गंभीरता से नहीं ले रहा, जिससे लोगों में नाराज़गी बढ़ रही है। गांव के लोगों ने प्रशासन से जल्द से जल्द पिंजरा लगाकर तेंदुए को पकड़ने की मांग की है, ताकि ग्रामीणों को राहत मिल सके और किसी बड़े हादसे से बचा जा सके। फिलहाल तेंदुए की दहशत से गांव का जनजीवन प्रभावित हो रहा है।

मदर्स पब्लिक स्कूल के विद्यार्थियों का हुआ विदाई समारोह

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मदर्स पब्लिक स्कूल की बरेली शाखा में रविवार को

कक्षा 12 वीं के विद्यार्थियों को समारोह आयोजित कर विदाई दी गई। कक्षा 11 के छात्रों ने तिलक लगा, मिठाई खिलाकर सीनियर छात्रों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारम्भ विद्यालय प्रबंधक राजेश यादव व प्रधानाचार्य आईपीएस चौहान ने किया। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में स्वागत गीत, नृत्य, हास्य नाटिका व भावपूर्ण गीतों ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। प्रबंधक व प्रधानाचार्य ने अनुशासन, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच का संदेश देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

आज से शुरू होगा सड़क निर्माण तीन महीने थमेगा रफ्तार का पहिया

सिटी स्टेशन से दूल्हे मियां मजार तक रहेगा रूट डायवर्जन

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। सिटी स्टेशन से दुल्हे मियाँ की मजार तक रामपुर रोड पर जल्द ही सड़क निर्माण का काम शुरू होने जा रहा है। लोक निर्माण विभाग की ओर से यह कार्य

3 फरवरी की सुबह 8 बजे से शुरू किया जाएगा। निर्माण कार्य के कारण शहर की इस व्यस्त सड़क पर अगले तीन महीने तक भारी वाहनों का आवागमन पूरी तरह बंद रहेगा। एसपी ट्रैफिक मो अकमल खान ने बताया कि सड़क निर्माण के दौरान यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए ट्रैफिक पुलिस ने भारी वाहनों और रोडवेज बसों के लिए वैकल्पिक मार्ग तय कर दिए हैं। इन रास्तों से होकर ही अब बड़े वाहन शहर में प्रवेश कर सकेंगे या शहर से बाहर जाएंगे। दिल्ली-रामपुर से आने वाले वाहन बड़े बाईपास से चलेंगे दिल्ली और रामपुर की ओर से बरेली आने वाले भारी वाहन झुमका तिराहे से बड़े बाईपास होते हुए विलवा, विलयधाम और इन्वर्टिस तिराहे के रास्ते ट्रांसपोर्ट नगर तक पहुंचेंगे। लखनऊ जाने वाले वाहन भी बड़े बाईपास का ही इस्तेमाल करेंगे, जबकि बदायूं जाने वाले वाहन फरीदपुर, फतेहगंज पूर्वी, दातागंज और देवचरा मार्ग से बदायूं से बरेली आने वालों को भी बदला रूट बदायूं की ओर से बरेली आने वाले भारी वाहन देवचरा, दातागंज और फतेहगंज पूर्वी होते हुए बड़े बाईपास से शहर में प्रवेश करेंगे। दिल्ली और लखनऊ की ओर जाने वाले भारी वाहन भी इसी मार्ग से गुजरेंगे। नैनीताल और पीलीभीत की ओर से बरेली आने वाले भारी वाहन बड़े बाईपास से विलवा, विलयधाम और इन्वर्टिस तिराहे के रास्ते ट्रांसपोर्ट नगर तक पहुंचेंगे। बदायूं जाने वाले वाहन भी इसी बाईपास मार्ग से फतेहगंज पूर्वी, दातागंज और देवचरा होते हुए जाएंगे। दिल्ली, मुरादाबाद और रामपुर से बरेली आने वाली रोडवेज बसें अब झुमका तिराहा, मिनी बाईपास, इज्जतनगर तिराहा, डेलापीर तिराहा, 100 फुटा पूर्वी पीलीभीत रोड और सुरेश शर्मा नगर होते हुए सैटेलाइट बस स्टैंड पहुंचेंगी। वहीं बदायूं जाने वाली बसें सैटेलाइट, वियावान कोठी, बुखारा मोड़ और रामगंगा तिराहे के रास्ते चलेंगी। चौपला से सिटी स्टेशन की ओर भारी वाहन पूरी तरह बंद चौपला चौराहा और चौपला पुल से सिटी स्टेशन की ओर जाने वाले रास्ते पर सभी तरह के भारी वाहन, रोडवेज बसें, सिटी बसें और ट्रैक्टर-ट्रॉली पूरी तरह प्रतिबंधित रहेंगी। इसी तरह मिनी बाईपास से दुल्हे मियाँ की मजार और चौपला की ओर भी भारी वाहनों का प्रवेश नहीं होगा। ट्रैफिक पुलिस ने आम लोगों और वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्माण अवधि के दौरान तय किए गए वैकल्पिक मार्गों का इस्तेमाल करें, ताकि जाम और असुविधा से बचा जा सके।

दातागंज में 104 करोड़ रुपये से पूरा होगा अधूरा मुढ़ा पुल, कार गिरने से गई थी तीन लोगों की जान

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। मंडल में रामगंगा नदी पर स्थित अधूरे मुढ़ा पुल को अब 104 करोड़ रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। इसके लिए शासन की ओर से धनराशि जारी कर दी गई है। यह वही पुल है,

जहां 24 नवंबर 2024 को कार गिरने से उसमें सवार तीन युवकों की मौत हो गई थी। ये लोग गूगल मैप के सहारे इस रास्ते पर फरीदपुर जा रहे थे। दातागंज क्षेत्र के गांव मुढ़ा पुख्ता और फरीदपुर के बीच रामगंगा नदी पर बने इस पुल का एक हिस्सा सितंबर 2023 में आई भीषण बाढ़ में बह गया था। इसके बाद से पुल अधूरा पड़ा है, जिससे क्षेत्र के लोगों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। पुल बनने से फरीदपुर की दूरी 38 किमी दूरी हो जाएगी कम वर्तमान में दातागंज से फरीदपुर जाने के लिए 68 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है। पुल पूरा हो जाने के बाद यह दूरी घटकर मात्र 30 किलोमीटर रह जाएगी। इससे करीब 38 किलोमीटर की दूरी कम होगी, जिससे लोगों के समय और ईंधन दोनों की बचत होगी। यह मार्ग दातागंज से फरीदपुर होते हुए तिलहर, कटरा, शाहजहांपुर, लखनऊ और सीतापुर जाने का सीधा रास्ता भी है। पुल की लंबाई 200 मीटर बढ़ेगी, 400 मीटर का नया संपर्क मार्ग बनेगा पुल के स्थायी समाधान के लिए लोक निर्माण विभाग की ओर से आईआईटी रुड़की से विशेषज्ञों की टीम बुलाई गई थी। टीम ने जनवरी 2025 में मॉडल स्टडी कर चार माह बाद अपनी रिपोर्ट विभाग को सौंपी। रिपोर्ट में पुल की लंबाई 200 मीटर बढ़ाने, 400 मीटर का नया संपर्क मार्ग बनाने और करीब तीन से चार किलोमीटर अतिरिक्त संपर्क मार्ग विकसित करने की सिफारिश की गई थी। आईआईटी की रिपोर्ट के आधार पर शासन ने प्रस्ताव को मंजूरी देते हुए 104 करोड़ रुपये की धनराशि जारी कर दी है। अब जल्द ही लोक निर्माण विभाग की ओर से निर्माण कार्य शुरू कराया जाएगा। मुख्यमंत्री से मिलकर स्वीकृत कराया बजट विधायक दातागंज राजीव कुमार सिंह ने बताया कि पुल के पूरा हो जाने से स्थानीय लोगों के साथ-साथ आसपास के जिलों के लोगों को भी बड़ा लाभ मिलेगा। इस पुल को बनाने के लिए मुख्यमंत्री योगी से मिलकर बजट स्वीकृत करने की मांग की थी। इसके बाद अब शासन से 104 करोड़ रुपये का बजट स्वीकृत किया गया है। इसके लिए जिला स्तर से लेकर शासन स्तर तक लगातार प्रयास किए गए, जिसका परिणाम अब सामने आया है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

शहर में गंदगी फैलाई तो होगी कार्रवाई

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा /बरेली। नगर निगम के वार्डों में गंदगी फैलाने वालों पर अब और सख्ती रहेगी। शहर को

साफ-सुथरा बनाने के लिए हर वार्ड में नगर मित्र तैनात करने की योजना बनाई गई है। यह अपने आसपास के इलाकों में निगरानी रखेंगे और नियम तोड़ने वालों की रिपोर्ट सीधे अधिकारियों को देंगे। इसके बाद उनका चालान किया जाएगा। इससे आगामी स्वच्छ सर्वेक्षण की रैंकिंग सुधारने में भी मदद भी मिलेगी। नगर निगम बरेली में कुल 80 वार्ड हैं। यहां पर करीब 13 से 14 लाख आबादी है। शहर को स्वच्छ वातावरण मुहैया कराने के उद्देश्य से नगर निगम की तरफ से समय-समय पर विशेष प्रयास किए जाते हैं। वर्तमान में नगर निगम की तरफ से वार्ड प्रोत्साहन समिति बनाई गई है। जिसमें सभी वार्ड के पार्षद अध्यक्ष व वहां के नागरिक सदस्य के रूप में कार्य देख रहे हैं। इन सदस्यों में से बेहतर काम करने वालों को नगर मित्र बनाया जाएगा, जो लोगों को जागरूक करेंगे। इसका चयन पार्षद स्तर से किया जाएगा, उनको उस वार्ड का ब्रांड एंबेसडर भी बनाया जाएगा।

होटल से चार , चार लाख की चोरी, सीसीटीवी मिले बंद पुलिस ने शुरू की जांच

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। शहर के कोतवाली थाना क्षेत्र में स्थित होटल डिप्लोमेट में बड़ी चोरी का मामला सामने आया है।

होटल के कैश काउंटर से करीब चार लाख रुपये गायब होने से होटल प्रबंधन में हड़कंप मच गया। बताया जा रहा है कि यह घटना लगभग एक सप्ताह पहले की है, जिसकी शिकायत अब पुलिस से की गई है। होटल प्रबंधन के अनुसार 23 जनवरी को अकाउंट विभाग के लॉकर में लगभग साढ़े चार लाख रुपये सुरक्षित रखे गए थे। 25 जनवरी की शाम जब लॉकर खोला गया तो उसमें मात्र 50 हजार रुपये ही मिले। नकदी कम मिलने की सूचना मिलते ही होटल प्रशासन सकते में आ गया। पहले अंदरूनी जांच, फिर पुलिस से गुहार नकदी गायब होने के बाद होटल प्रबंधन ने पहले अपने स्तर पर कर्मचारियों से पूछताछ और रिकॉर्ड की जांच की, लेकिन कोई ठोस जानकारी हाथ नहीं लगी। इसके बाद होटल निदेशक के माध्यम से कोतवाली पुलिस को मामले की सूचना दी गई। कार्रवाई में देरी होने पर एसपी सिटी को भी पत्र भेजकर पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया गया। कोतवाली पुलिस का कहना है कि मामला अकाउंट विभाग से जुड़ा है और हर पहलू की गंभीरता से जांच की जा रही है। पूछताछ और तकनीकी जांच पूरी होने के बाद उच्चाधिकारियों के निर्देश पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

प्रधानमंत्री मोदी जी ने क्रिश्चियन संस्थाओं का रजिस्ट्रेशन और IFSC रद्द कर दिया, बरेली के पत्रकार पर हमला करने वाली संस्था का रजिस्ट्रेशन और ढ्ढस्नस्ष्ट क्यों नहीं हुआ रद्द

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली/आगरा ऌ साल्वेशन आर्मी के उत्तरी क्षेत्र मुख्यालय ने एक कड़ा नोटिस जारी कर सनसनी फैला दी है। नोटिस में स्पष्ट कहा गया है कि साइमन पीटर और श्रीमती सोनिया साइमन पीटर अब संगठन की वर्दी पहनने, उसके नाम पर कोई गतिविधि करने या प्रतिनिधित्व करने के हकदार नहीं रहे। मुख्यालय ने चेतावनी दी है कि यदि कोई व्यक्ति, संस्था या संगठन इनके साथ अब भी कोई लेन-देन, सहयोग या जुड़ाव रखता है, तो वह पूरी तरह अपनी जिम्मेदारी पर होगा। साल्वेशन आर्मी ऐसी किसी भी गतिविधि के लिए जिम्मेदार नहीं होगी। यह नोटिस संगठन के इतिहास में एक बड़ा कदम माना जा रहा है, लेकिन सवाल यह उठ रहे हैं कि इतनी बड़ी और प्रतिष्ठित संस्था ने कार्रवाई इतनी देर से क्यों की ? सूत्रों के अनुसार, साइमन पीटर एक पादरी थे और उनके बच्चे नशे (स्मैक और शराब) के आदी बताए जाते हैं। बरेली के साल्वेशन आर्मी चर्च कैंपस में उनके बच्चे नशे की हालत में पादरियों से मारपीट करने जैसी घटनाओं में शामिल रहे, जिससे स्थानीय स्तर पर काफी विवाद हुआ। फिर भी संगठन ने पहले कोई सख्त कदम क्यों नहीं उठाया? क्या इतनी गंभीर शिकायतों को नजरअंदाज किया गया? यह पहला मामला नहीं है। साल्वेशन आर्मी के एक पादरी पर पूर्व में एक महिला ने छेड़छाड़ और रेप का गंभीर आरोप लगाया था। आरोप लगने के बाद मामले को कथित तौर पर दबा दिया गया और पादरी का ट्रांसफर पंजाब के पठानकोट में कर दिया गया। ऐसे में सवाल खड़े हो रहे हैं कि क्या संगठन आंतरिक स्तर पर ऐसी घटनाओं को छिपाने की कोशिश करता रहा है ? दूसरी ओर, कई अन्य धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं के बैंक खातों के ढ्ढस्नस्ष्ट कोड रद्द किए जा चुके हैं और उन पर जांच चल रही है या सख्त कार्रवाई हुई है। लेकिन साल्वेशन आर्मी पर ऐसी कोई जांच क्यों नहीं? क्या इस संस्था को विशेष छूट मिल रही है? साइमन पीटर जैसे कई पादरी और उनके परिवारों पर गड़बड़ियों के आरोप लगते रहे हैं, फिर भी कार्रवाई में देरी क्यों? यह मामला न केवल साल्वेशन आर्मी की आंतरिक जवाबदेही पर सवाल उठाता है, बल्कि सरकार और जांच एजेंसियों से भी बड़ा सवाल है-क्या बड़े संगठनों पर निगरानी ढीली क्यों पड़ जाती है? क्या महिलाओं की सुरक्षा, नशे की समस्या और संस्थागत दुरुपयोग पर सख्ती से कार्रवाई होगी या फिर ऐसे मामले दबाकर मिटा दिए जाएंगे? स्थानीय लोग और प्रभावित पक्ष अब सरकार से मांग कर रहे हैं कि साल्वेशन आर्मी की संपत्ति, खातों और पिछले मामलों की स्वतंत्र जांच कराई जाए। यह विवाद अब सिर्फ एक नोटिस तक सीमित नहीं रहा, बल्कि एक बड़े सामाजिक और संस्थागत घोटाले की ओर इशारा कर रहा है।

विवाहिता ने हिस्ट्रीशीटर पर लगाए दुष्कर्म समेत कई गंभीर आरोप : एसएसपी से मांगी सुरक्षा

क्यूँ न लिखूँ सच/ पं सत्यमशर्मा / बरेली। बारादरी क्षेत्र की रहने वाली महिला ने अपने ससुर और उसके साथियों पर दुष्कर्म, मानसिक-शारीरिक उत्पीड़न, धमकी देकर समझौता कराने के आरोप लगाए हैं। पीड़ित महिला ने सोमवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कार्यालय पहुंची। उसने वहां शिकायती पत्र देकर निष्पक्ष जांच और सुरक्षा की मांग की। महिला ने बताया कि उसका ससुर हिस्ट्रीशीटर है। आरोप लगाया कि विवाह के बाद से ही ससुर लगातार उसका शोषण करता आ रहा है। जब पीड़िता ने विरोध किया तो परिवार के सदस्यों को डरा धमकाकर जबरन दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करा लिए और उसके विरुद्ध झूठे मामले दर्ज करा दिए गए। महिला का आरोप है कि उसने दुष्कर्म की रिपोर्ट दर्ज कराई थी, लेकिन साजिश के तहत उसके भाई को अगवा कर धमकाया गया, जिससे दबाव में आकर समझौता कराया गया। इसके बाद थाना कोतवाली और थाना बारादरी में एक के बाद एक झूठी रिपोर्ट दर्ज कराकर उसे और उसके परिवार को परेशान किया जा रहा है। महिला ने यह भी आरोप लगाया है कि ससुर पर अवैध हथियार, फर्जी लाइसेंस, जमीन हड़पने और संगठित अपराधियों से संबंध जैसे गंभीर आरोप हैं। उसका कहना है कि ससुराल पक्ष द्वारा घर में प्रवेश और पति से मिलने तक से रोका जा रहा है, जिससे उसकी जान को खतरा बना हुआ है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने जांच कराने की बात कही है।

यूजीसी नियमों की बहाली को लेकर सौंपा ज्ञापन, सरकार से सामाजिक न्याय बहाल करने की मांग

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / अनुसूचित जाति, जनजाति और पिछड़ा वर्ग के अधिकारों से जुड़े यूजीसी (त्नष्ट) नियमों को ठंडे बस्ते में डालने के खिलाफ बीसलपुर में ज़बरदस्त जनाक्रोश फूट पड़ा। हजारों लोगों की मौजूदगी में प्रशासन के माध्यम से सरकार को चेतावनी भरा ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें नियमों की तत्काल बहाली की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने साफ कहा कि यूजीसी नियमों को निष्क्रिय करना सीधे तौर पर सामाजिक न्याय पर हमला है। ये वही नियम हैं, जिनके जरिए वंचित वर्गों को शिक्षा, नौकरी और अवसरों में बराबरी का हक मिला था। आज इन्हें लागू न करके सरकार कमजोर वर्गों को हाशिये पर धकेलने का काम कर रही है। ज्ञापन में चेताया गया कि यदि यूजीसी नियमों को तुरंत प्रभाव से लागू नहीं किया गया, तो सामाजिक असंतोष और टकराव की जिम्मेदारी सरकार की होगी। आंदोलनकारियों ने कहा कि सामाजिक संतुलन बिगाड़ने की यह नीति अब बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभा में मौजूद लोगों ने एक स्वर में कहा कि यूजीसी नियम भीख नहीं, संवैधानिक अधिकार हैं। इनकी अनदेखी कर सरकार समाज के बड़े हिस्से के साथ अन्याय कर रही है। आंदोलनकारियों ने स्पष्ट किया कि यह सिर्फ मांग नहीं, बल्कि हक की लड़ाई है। इस दौरान राजू राठौर, सुरजीत, उमेश कुमार, अनिल गंगवार, हरीश गंगवार, पंकज कुमार, अमित गंगवार, धर्मेंद्र कुमार, रवि यादव, कवि यादव और प्रेम सागर पटेल सहित भारी संख्या में लोग मौजूद रहे। सभी ने सरकार को आगाह किया कि यदि जल्द फैसला नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा। प्रशासन ने ज्ञापन लेकर उसे उच्चाधिकारियों तक भेजने की औपचारिकता निभाई, लेकिन अब सवाल यह है कि सरकार कब जागेगी?

राहुल का सरकार पर वार - चीन हमारे सामने आ रहा था..तब कहां थी 56 इंच की छाती, राष्ट्रीय सुरक्षा अहम मुद्दा

संसद के बजट सत्र के दौरान विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की अप्रकाशित किताब के हवाले से चीन की सेना की ओर से घुसपैठ का दावा किया। इस बयान पर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत तमाम केंद्रीय मंत्रियों ने आपत्ति जताई। इसकी वजह से लोकसभा का सत्र हंगामे की भेंट चढ़ गया।लोकसभा में सोमवार को कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के भाषण के दौरान जोरदार हंगामा देखने को मिला। राहुल गांधी ने पूर्व सेना प्रमुख जनरल नरवणे की अप्रकाशित किताब का हवाला देते हुए कहा कि डोकलाम में चार चीनी टैंक भारत की सीमा में पहुंच गए थे। राहुल गांधी के दावे पर का रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और गृह मंत्री अमित शाह ने जोरदार विरोध किया था। जिसके बाद सदन में काफी हंगामा देखने को मिला। राहुल गांधी के संबोधन के दौरान लोकसभा कई बार स्थगित करनी पड़ी। लगातार हो रहे हंगामे को देखते हुए चेयर पर आसीन सांसद जगदंबिका पाल ने सदन को मंगलवार तक के लिए स्थगित कर दिया। इसके बाद मीडिया से बात करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि पता नहीं सरकार क्यों डर रही है। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार सच छुपा रही है। राष्ट्रीय सुरक्षा पर चर्चा जरूरी है। प्रधानमंत्री मोदी पर राहुल गांधी ने साधा निशाना- नेता विपक्ष ने मीडिया से कहा, %मैं सुरक्षा के मुद्दे पर सदन में बोलना चाहता था। पूर्व सेना प्रमुख ने राजनाथ सिंह से क्या कहा था। पता नहीं सरकार क्यों डरी हुई है। मैं पूर्व सेना प्रमुख की बात बताना चाहता था। नरवणेजी ने प्रधानमंत्री के बारे में, राजनाथ के बारे में एक आर्टिकल में लिखा है। मैं वो बोल रहा हूं, लेकिन मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। चीन हमारे सामने आ रहा था। तब 56 इंच की छाती को क्या हुआ था?% कांग्रेस सांसद ने कहा, %मैं सदन में बोलना चाहता हूं। राजनाथ सिंह जी ने कहा। जमीन ली गई या नहीं, यह एक अलग सवाल है। हम उस पर बाद में बात करेंगे। लेकिन उससे पहले, देश के नेता को दिशा-निर्देश देने चाहिए। देश के नेता को फैसले लेने से पीछे नहीं हटना चाहिए और फैसले दूसरों के कंधों पर नहीं छोड़ने चाहिए। प्रधानमंत्री ने यही किया है। राहुल गांधी ने पूछे ये सवाल? राहुल गांधी ने कहा, मुझे बोलने नहीं दिया जा रहा है। मुझे सिर्फ दो-तीन लाइनें बोलनी हैं। यह राष्ट्रीय सुरक्षा का मामला है। ये पूर्व सेना प्रमुख के शब्द हैं और यह वह बातचीत है जो उन्होंने राजनाथ सिंह जी और प्रधानमंत्री मोदी से की है। मैं बस इतना कहना चाहता हूं कि मैं सदन में वही कहना चाहता हूं जो पूर्व सेना प्रमुख ने लिखा है और राजनाथ सिंह और प्रधानमंत्री मोदी ने उन्हें क्या आदेश दिए थे।

क्रेशर तक बेखौफ दौड़ रहे ओवरलोड डंपर, प्रशासन मौन

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / (अमरिया)। अमरिया थाना क्षेत्र में ओवरलोडेड अवैध आरबीएम परिवहन अब प्रशासन के लिए चुनौती नहीं, बल्कि सिस्टम की नाकामी का प्रतीक बनता जा रहा है। उत्तराखंड से बॉर्डर पार कर ओवरलोड डंपर और ट्रैक्टर-ट्रॉली बिना किसी प्रभावी जांच के सीधे मुडालिया स्टोन क्रशर तक पहुंच रहे हैं। न बॉर्डर पर सख्ती दिख रही है, न ही खनन, परिवहन विभाग और पुलिस की संयुक्त कार्रवाई-जिससे सवाल उठ रहे हैं कि आखिर यह खेल किसके संरक्षण में चल रहा है। स्थानीय लोगों के अनुसार, आरबीएम से भरे वाहन क्षमता से कई गुना अधिक लोड लेकर, नियम-कानून की खुलेआम धज्जियां उड़ाते हुए और सुरक्षा मानकों के रिहायशी मार्गों से गुजरते हैं। तेज रफ्तार और ओवरलोडिंग के कारण हर समय किसी बड़े हादसे की आशंका बनी रहती है। इन भारी वाहनों से सड़कें भी तेजी से क्षतिग्रस्त हो रही हैं, लेकिन जिम्मेदार विभाग आंखें मूंदे बैठे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि उत्तराखंड से उत्तर प्रदेश में आरबीएम का प्रवेश किन दस्तावेजों के आधार पर हो रहा है? यदि सब कुछ वैध है तो बॉर्डर पर नियमित जांच क्यों नहीं होती और यदि अवैध है तो कार्रवाई क्यों नहीं दिखती? जनता के बीच यह चर्चा आम है कि बिना किसी स्तर पर मिलीभगत के इतना निर्बाध अवैध परिवहन संभव नहीं। स्थानीय नागरिकों ने मांग की है कि मुडालिया स्टोन क्रशर की भूमिका की गहन जांच, अमरिया बॉर्डर पर स्थायी चेकिंग व्यवस्था और ओवरलोड वाहनों के खिलाफ तत्काल कठोर कार्रवाई की जाए। वरना आशंका है कि प्रशासन तब जागेगा, जब कोई बड़ा हादसा या जनहानि हो चुकी होगी।

दिव्यांग सशक्तिकरण की नई इबारत, दिव्याशा केंद्र बना उम्मीद की सबसे मजबूत कड़ी

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / केंद्रीय बजट 2026 में दिव्यांगजनों के सशक्तिकरण को लेकर किए गए प्रावधान पीलीभीत जिले के लिए बड़ी सौगात साबित होंगे। बजट में घोषित दिव्यांग और दिव्यांग सहारा के 35 हजार से दिव्यांगजन इन योजनाओं के दिव्यांगों को जोड़ने पर जोर दिया सहायक उपकरणों की और सुलभ होगी। का पहला प्रधानमंत्री संचालित है, जो पहले और 60 वर्ष से बुजुर्गों के लिए हो रहा है। एलिम्को अंग निर्माण निगम) केंद्र पर दिव्यांगजनों उच्च गुणवत्ता वाले कौशल योजना योजना से जिले अधिक लाभान्वित होंगे। माध्यम से जहां आजीविका से गया है, वहीं उपलब्धता भी पीलीभीत में प्रदेश दिव्याशा केंद्र से ही दिव्यांगजनों अधिक आयु के संजीवनी साबित (भारतीय कृत्रिम के सहयोग से इस की जांच कर सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाते हैं। केंद्रीय बजट में घोषित दिव्यांग सहारा योजना के तहत सभी पात्र दिव्यांगजनों को आधुनिक और उच्च गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए एलिम्को को विशेष सहायता प्रदान की जाएगी, जिससे उपकरणों का उत्पादन बढ़ेगा और प्रधानमंत्री दिव्याशा केंद्रों को और अधिक मजबूत किया जाएगा। वहीं दिव्यांग कौशल योजना के अंतर्गत दिव्यांगजनों एवं उनके समूहों को कौशल प्रशिक्षण देकर उन्हें स्वरोज़गार और रोज़गार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया गया है। इससे दिव्यांगजन आत्मनिर्भर बन सकेंगे और समाज की मुख्यधारा से और मजबूती से जुड़ेंगे। दिव्यांग पुनर्वास एवं दिव्याशा केंद्र के जिला समन्वयक सुखबीर सिंह भदौरिया ने केंद्रीय बजट का स्वागत करते हुए कहा कि यह दिव्यांगजनों के उत्थान, पुनर्वास और रोज़गार के लिए एक सुनहरा अवसर है। केंद्रीय बजट दिव्यांगजनों के लिए बहुत ही हितकारी है। कौशल योजना से दिव्यांगजन के लिए आजीविका के अवसर बढ़ेंगे। बजट में दिव्यांशा केंद्रों की मजबूती और कौशल विकास पर जो जोर दिया गया है, उससे जिले के हजारों दिव्यांगजनों को सीधा लाभ मिलेगा। कुल मिलाकर, केंद्रीय बजट 2026 ने पीलीभीत के दिव्यांगजनों के जीवन में नई उम्मीद, आत्मनिर्भरता और सम्मानजनक भविष्य की राह खोल दी है।

संक्षिप्त समाचार

राउत ने अजित पवार की मौत पर खड़े किए सवाल- BJP घोटाले वाली फाइल का किया जिक्र, भाजपा बोला- बेबुनियाद आरोप

शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने एनसीपी नेता अजित पवार की मौत पर सवाल खड़े किए हैं। राउत ने दावा किया है कि अजित दादा के पास भाजपा की एक घोटाले की फाइल थी।

जिसके कुछ दिन बाद उनकी रहस्यमयी तरीके मौत हो गई। अजित के पास भाजपा के खिलाफ फाइल थी- राउत- दिल्ली में मीडिया से बात करते हुए शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत ने यह भी दावा किया

कि अजित पवार ने भाजपा से नाता तोड़ने और अपने चाचा व शरद पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी (एसपी) में लौटने का फैसला कर लिया था। अजित पवार लगातार कहते रहे कि उनके पास भाजपा के घोटाले की फाइल है और वे इसका खुलासा करेंगे।

15 जनवरी को उन्होंने यह बात कही और अगले दस दिनों में एक दुर्घटना में उनकी मौत हो गई। यह रहस्यमय है। बता दें कि अजित पवार की 28 जनवरी को बारामती में विमान हादसे में मौत हो गई थी। %दादा शरद पवार के साथ लौटना चाहते थे% आपको बताते चलें

कि नगर निकाय चुनाव प्रचार के दौरान अजित पवार ने दावा किया था कि 1995 से 1999 के बीच राज्य में सत्ता में रही भाजपा और अविभाजित शिवसेना के दौर के कथित भ्रष्टाचार से जुड़ी एक फाइल उनके पास है।

राउत ने कहा, जिस दिन अजित पवार ने भाजपा घोटाले की फाइल होने की बात कही, उसी दिन से मुझे शक था। इसका मतलब था कि अजित दादा ने भाजपा से दूरी बनाने का मन बना लिया था

और वे फिर से शरद पवार के साथ लौटना चाहते थे। शिवसेना (यूबीटी) के राज्यसभा सांसद राउत ने यह भी कहा कि भले ही शरद पवार ने साफ कर दिया हो कि अजित पवार की मौत एक दुर्घटना थी और इस पर राजनीति नहीं होनी चाहिए, लेकिन समय के साथ वे भी समझेंगे कि मामला उतना सरल नहीं है। राउत ने सवाल उठाते हुए कहा, अजित पवार जैसे नेता विमान में बैठते हैं और उसमें कोई अन्य महत्वपूर्ण व्यक्ति नहीं होता, न उनके साथ ओएसडी होता है, न मेंटेनेंस सर्टिफिकेट। उन्होंने दावा किया

कि अजित पवार का अपने मूल घर लौटना भाजपा के लिए बड़ी हार होती और यह देश की राजनीति में निर्णायक मोड़ साबित होता। राउत ने यह भी कहा कि अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी अब भाजपा की जागीर बनकर रह गई है। राउत के आरोपों पर भाजपा का पलटवार राउत के आरोपों पर भाजपा की ओर से तीखी प्रतिक्रिया आई। भाजपा एमएलसी चित्रा वाघ ने कहा कि राउत अपने हितों के लिए किसी की मौत का इस्तेमाल कर रहे हैं और बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं। चित्रा वाघ ने कहा, अगर अजित पवार के पास भाजपा के खिलाफ कोई दस्तावेज थे और वे नष्ट नहीं हुए हैं, तो उन्हें खोजा जाना चाहिए। राउत अदालत जाने के लिए स्वतंत्र हैं। उन्होंने तंज कसते हुए यह भी कहा कि राउत चाहें तो अंतरराष्ट्रीय अदालत भी जा सकते हैं, क्योंकि उन्हें भारतीय संस्थाओं पर भरोसा नहीं है।

गोमती उद्गम स्थल के पुनर्जीवन को हरी झंडी, 56.88 करोड़ की DPR मंजूर

क्यूँ न लिखूँ सच/ अरविंद कुमार / पीलीभीत / उत्तर भारत की प्रमुख नदियों में शामिल गोमती नदी के उद्गम स्थल माधोटांडा के समग्र विकास और पुनर्जीवन की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। गोमती उद्गम स्थल के संरक्षण, सौंदर्यीकरण और पर्यटन विकास से जुड़ी ?56.88 करोड़ की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (ष्ठक्कक्र) को स्वीकृति दे दी गई है। गंगा की सहायक गोमती नदी, पीलीभीत जनपद के माधोटांडा गांव के समीप स्थित प्राकृतिक फुलहार झील से निकलती है। लंबे समय से यह स्थल सुविधाओं के अभाव और पर्यावरणीय दबाव का सामना कर रहा था। अब परियोजना के तहत उद्गम स्थल को संरक्षित करते हुए उसके प्राकृतिक स्वरूप और धार्मिक महत्व को सुदृढ़ किया जाएगा। परियोजना में सुरक्षित और भव्य घाटों का निर्माण, श्रद्धालुओं के लिए वॉकिंग पाथ, हरित क्षेत्र का विकास, वृक्षारोपण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कार्य शामिल हैं। साथ ही एक सांस्कृतिक एवं धार्मिक परिसर विकसित किया जाएगा, जिसमें गोमती नदी से जुड़ी पौराणिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक जानकारियों को प्रदर्शित किया जाएगा। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग तथा इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने इस परियोजना को गोमती नदी की पवित्रता और ऐतिहासिक पहचान के पुनर्जीवन की दिशा में महत्वपूर्ण पहल बताया। उन्होंने कहा कि इससे पर्यटन सुविधाओं का विस्तार होगा और स्थानीय लोगों के लिए रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। जितिन प्रसाद ने इस निर्णय के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार जताया। परियोजना से माधोटांडा और आसपास के गांवों में पर्यटन आधारित गतिविधियों को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है, जिससे स्थानीय युवाओं को स्वरोज़गार और आजीविका के अवसर मिलेंगे। सरकारी और पर्यावरण विशेषज्ञों का मानना है कि यह मॉडल भविष्य में अन्य नदी उद्गम स्थलों के विकास के लिए भी एक उदाहरण बनेगा। स्थानीय लोगों और सामाजिक संगठनों ने गोमती उद्गम स्थल के पुनर्जीवन से जुड़े इस फैसले का स्वागत किया है।

दैनिक क्यूँ न लिखूँ सच
OWN STATE
www.knlslive.com
03 February 2026

थाना दादरी पुलिस व नारकोटिक्स सेल द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 02 गांजा तस्कर गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता सोनू / ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर / थाना दादरी पुलिस व नारकोटिक्स सेल द्वारा संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए 02 गांजा तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से 19 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद। कार्यवाही का विवरण- दिनांक 02.02.2026 को थाना दादरी पुलिस व नारकोटिक्स सेल द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना की सहायता से गांजा तस्करी करने वाले 02 अभियुक्त 1. रामबाबू पुत्र अनूपलाल 2. अंजे पर्वत पुत्र ललन पर्वत को थाना क्षेत्रांतर्गत अम्बेडकर कॉलौनी के पास से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे से 19 किलो 500 ग्राम गांजा बरामद किया गया है। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1- रामबाबू पुत्र अनूपलाल निवासी हरपुर जगन्नाथपुर, थाना महनार, वैशाली (बिहार) वर्तमान पता गगन विहार कॉलोनी, कस्बा व थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर, उम्र करीब 55 वर्ष। 2- अंजे पर्वत पुत्र ललन पर्वत निवासी सीयाडी मठीया, थाना सिवान, सिवान (बिहार) वर्तमान पता गगन विहार कॉलोनी, कस्बा व थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर, उम्र करीब 24 वर्ष। पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0- 0052/2026 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर। अभियुक्त रामबाबू पुत्र अनूपलाल का आपराधिक इतिहास- 1- मु0अ0सं0- 0626/2024 धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना दादरी, गौतमबुद्धनगर। 2- मु0अ0सं0- 0530/2019 धारा 18/20 एनडीपीएस एक्ट, थाना सिकन्द्राबाद, बुलन्दशहर। बरामदगी का विवरण- 19 किलो 500 ग्राम गांजा

यूजीसी संशोधन बिल के खिलाफ सवर्ण समाज का हल्लाबोल, पठारी में निकाली गई यूजीसी की अर्थी यात्रा

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा / पठारी । नवीन यूजीसी (GC) संशोधन बिल के विरोध की आग अब तहसीलों तक पहुँच गई है। आज मध्यप्रदेश के विदिशा जिले की पठारी तहसील में सवर्ण समाज के बैनर तले सैकड़ों लोगों ने सड़कों पर उतर कर असमानता फैलाने वाले इस कदम का कड़ा विरोध किया। समाज के लोगों ने न केवल नारेबाजी की, बल्कि प्रतीकात्मक रूप से यूजीसी की अर्थी बनकर अर्थी यात्रा निकालकर अपना विरोध व्यक्त किया।

अर्थी यात्रा और दाह संस्कार- प्रदर्शन की शुरुआत पठारी नगर के बस स्टैंड से हुई जो बाजार के मुख्य मार्गों से निकली गई। जहाँ सवर्ण समाज के युवाओं और वरिष्ठ जनों एवं छात्रों एवं अन्य संगठनों ने यूजीसी की अर्थी को कांधा दिया और यूजीसी बिल वापस लो के नारों के साथ विरोध प्रदर्शन किया। यह अर्थी यात्रा तहसील परिसर पहुँची, जहाँ प्रदर्शनकारियों ने बिल में असमानता एवं द्वेष फैलाने वाले नियम एवं नीतियों के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और ज्ञापन सौंपकर तहसील परिसर के भीतर ही प्रतीकात्मक रूप से अर्थी का दाह संस्कार किया। राष्ट्रपति के नाम ज्ञापन- प्रदर्शन के अंत में सवर्ण समाज के प्रतिनिधियों ने पठारी तहसीलदार अभिषेक पांडेय को महामहिम राष्ट्रपति के नाम एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई है कि यूजीसी में किए जा रहे नए संशोधनों को तत्काल वापस लिया जाए, क्योंकि यह बिल समाज के बड़े वर्ग के हितों के खिलाफ है। समाज के पदाधिकारियों का कहना है कि यदि उनकी मांगें नहीं मानी गईं, तो यह आंदोलन और भी उग्र रूप धारण करेगा। इस दौरान बड़ी संख्या में सवर्ण समाज के कार्यकर्ता, स्थानीय नागरिक और प्रबुद्ध जन, सवर्ण संगठनों के सदस्यगण एवं सवर्ण समाज के छात्र उपस्थित रहे।

अंतर्राज्यीय मोबाइल फोन स्नेचिंग एवं दो-पहिया वाहन चोरी करने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार

क्यूँ न लिखूँ सच/ संवाददाता सोनू / ग्रेटर नोएडा, गौतम बुद्ध नगर / थाना फेस-1 पुलिस द्वारा अंतर्राज्यीय मोबाइल फोन स्नेचिंग एवं दो-पहिया वाहन चोरी करने वाले 02 अभियुक्त गिरफ्तार, कब्जे/ निशानदेही से चोरी के 12 दो-पहिया वाहन तथा मोबाइल फोन (स्नेचिंग) की बिक्री से प्राप्त ?2000 नकद बरामद। कार्यवाही का विवरण- दिनांक 02.02.2026 को थाना फेस-1 पुलिस द्वारा मैनुअल इंटेलिजेंस व इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस की सहायता से मोबाइल फोन स्नेचिंग एवं दो-पहिया वाहन चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय 02 अभियुक्त 1. राहुल उर्फ राबर्ट पुत्र रमेश उर्फ बब्बी 2. नावेद पुत्र फल हसन को स्न-133 के सामने सेक्टर-8 नोएडा से गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्तों के कब्जे/निशानदेही से चोरी की 10 मोटरसाइकिल, 02 स्कूटी व स्नेचिंग मोबाइल फोन की बिक्री से प्राप्त ?2000 नकद बरामद किए गए है। अपराध करने का तरीका/ पूछताछ का विवरण- पूछताछ के दौरान अभियुक्तगण द्वारा बताया गया कि वे पूर्व रेकी कर मोटरसाइकिल/स्कूटी की चोरी करते थे तथा चोरी किए गए दो-पहिया वाहनों का प्रयोग कर मोबाइल फोन स्नेचिंग भी करते थे। अभियुक्तगण द्वारा नोएडा, दिल्ली एवं एनसीआर क्षेत्र में मोटरसाइकिल/स्कटी एवं मोबाइल फोनों की चोरी/स्नेचिंग की गई, जिसके संबंध में विभिन्न थानों में अभियोग पंजीकृत हैं। अभियुक्तों द्वारा बताया गया कि चोरी एवं स्नेचिंग से प्राप्त मोबाइल फोनों को राहगीरों को बेचकर प्राप्त धनराशि को आपस में बांट लिया करते थे व अपने शौक एवं मौज-मस्ती में खर्च कर देते थे। गिरफ्तार अभियुक्तों का विवरण- 1- राहुल उर्फ राबर्ट पुत्र रमेश उर्फ बब्बी निवासी हरस्वरूप कॉलोनी, थाना फतेहपुर बेरी, जूनापुर, दिल्ली ग्राम असगरपुर, सेक्टर-128 नोएडा, थाना सेक्टर-126, गौतमबुद्धनगर उम्र 30 वर्ष। 2- नावेद पुत्र फल हसन निवासी ग्राम फतेहपुरडेरा , थाना फतेहपुर बेरी, जूनापुर, दिल्ली, उम्र 21 वर्ष। पंजीकृत अभियोग का विवरण- मु0अ0सं0- 0047/2026 धारा 317(2)/ 317(5) बीएनएस, थाना फेस-1, गौतमबुद्धनगर।

कलेक्टर ने स्कूलों व छात्रावासों का औचक निरीक्षण, शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने के निर्देश

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा- कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने आज शहर के विभिन्न शासकीय विद्यालयों एवं छात्रावासों का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विद्यालय परिसरों का भ्रमण करते हुए शैक्षणिक एवं भौतिक व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। कलेक्टर ने कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया और पढ़ाई, उपलब्ध सुविधाओं तथा विद्यालयीन वातावरण के संबंध में जानकारी प्राप्त की। उन्होंने प्रत्येक कक्षा में विद्यार्थियों की उपस्थिति, कक्षाओं के संचालन, भवनों की स्थिति तथा मूलभूत सुविधाओं की समीक्षा की। विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से कलेक्टर ने आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। कक्षाओं के नियमित एवं प्रभावी संचालन को सुनिश्चित करने के लिए जिला परियोजना समन्वयक को शिक्षण व्यवस्था की सतत मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए। टीला खेड़ी स्थित विद्यालय में कंप्यूटर कक्ष एवं प्रयोगशाला का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने उपलब्ध संसाधनों के अधिकतम उपयोग पर जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण अध्यापन कार्य नियमित रूप से संचालित करने के स्पष्ट निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान विद्यालय प्रबंधन को आवश्यक सुधारात्मक कार्य समयसीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए गए, ताकि विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण एवं आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

जिला अध्यक्ष रघुवंशी समाज मोहर सिंह रघुवंशी के द्वारा सभी का आभार व्यक्त किया है

क्यूँ न लिखूँ सच/ हाकम सिंह रघुवंशी/ विदिशा रघुवंशी समाज विदिशा द्वारा आयोजित युवक-युवती परिचय सम्मेलन एवं करियर काउंसलिंग शिविर समाज के सभी बंधुओं के सहयोग से सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। यह विदिशा जिले में प्रथम बार इतना व्यापक आयोजन था, जिसमें समाज के वरिष्ठजनों, मातृशक्ति, युवाओं एवं प्रदेश भर से पधारे समाजबंधुओं की सहभागिता ने इसे यादगार बनाया। समाज की शक्ति किसी एक व्यक्ति में नहीं, बल्कि बड़ों के आशीर्वाद, युवाओं के उत्साह और मातृशक्ति के संस्कारों में निहित होती है। यह आयोजन केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि समाज के आत्ममंथन और आत्मनिर्माण की शुरुआत है। हर आयोजन हमें सिखाता है कहाँ मजबूत हैं और कहाँ और बेहतर हो सकते हैं। हम सब साथ चलेंगे, सीखेंगे और समाज को और ऊँचाई तक ले जाएँगे। यह पहला प्रयास था, इसलिए विशेष भी था। आगे के आयोजनों में आपकी सीख, सुझाव और सहभागिता से हम इसे और अधिक श्रेष्ठ बनाएँगे। यदि तैयारी या आयोजन के दौरान किसी समाजबंधु को व्यवहार, व्यवस्था या मान-सम्मान को लेकर अनजाने में कोई पीड़ा पहुँची हो, तो हम हृदय से क्षमाप्रार्थी हैं। मेरा प्रयास सदैव समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान देने का रहा है।रघुवंशी समाज की एकता ही हमारी सबसे बड़ी पहचान है। यदि हमसे कोई त्रुटि हुई हो, तो उसे भूल नहीं, सीख मानकर आगे बढ़ने का अवसर दें। आपका स्नेह और विश्वास ही हमें बेहतर करने की शक्ति देता है।बंधुओं संगठित समाज ही सशक्त समाज होता है। इसी एकता के साथ हम आगे भी मिलकर समाज को नई दिशा देने के लिए निरंतर प्रयासरत रहेंगे।

संक्षिप्त समाचार

गौ सम्मान आह्वान अभियान यात्रा का 1 मार्च को छत्तीसगढ़ में प्रवेश, 2 मार्च को रायपुर में होगी राज्य स्तरीय कार्यशाला

क्यूँ न लिखूँ सच/ प्रवीण शर्मा/ गौमाता को सम्मान दिलाने के उद्देश्य से देशभर में संचालित गो सम्मान आह्वान यात्रा का प्रथम चरण 1 मार्च को छत्तीसगढ़ में प्रवेश करेगा। यह यात्रा ओडिशा के अंगुल-संबलपुर मार्ग से होते हुए छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर पहुंचेगी। यात्रा के अंतर्गत 2 मार्च को रायपुर में एक दिवसीय राज्य स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों के अनुसार, गो सम्मान आह्वान अभियान के तहत भारत के प्रत्येक राज्य में कार्यशालाओं का आयोजन कर संतों, समाजसेवियों एवं गौभक्तों को जोड़ा जा रहा है। रायपुर में प्रस्तावित कार्यशाला प्रातः 8 बजे से सायं 6 बजे तक आयोजित होगी, जिसमें देश के प्रमुख संत, विचारक एवं गौसेवा से जुड़े प्रतिनिधि शामिल होंगे। इस अभियान का उद्देश्य गौसेवा, गोरक्षा और गौसम्मान को लेकर राष्ट्रव्यापी जनजागरण करना है। अभियान के माध्यम से केंद्र एवं राज्य सरकारों तक गौ संरक्षण, गोवंश संवर्धन और गोहत्या पर पूर्ण प्रतिबंध की मांग पहुंचाई जाएगी। आयोजकों का मानना है कि अभियान के माध्यम से सरकार तक यह संदेश पहुंचेगा कि देशभर में गौमाता को राष्ट्रमाता का सम्मान दिए जाने की जनभावना प्रबल है। अभियान के अंतर्गत किसी भी राजनीतिक दल या संस्था के बैनर तले न होकर, संत समाज के नेतृत्व में शांतिपूर्ण एवं संगठित प्रयास किए जा रहे हैं। अभियान के अध्यक्ष नंदी बाबा एवं प्रमुख संरक्षक भगवती गोमाता के मार्गदर्शन में यह यात्रा आगे बढ़ रही है। रायपुर में कार्यशाला के समापन पश्चात गो सम्मान आह्वान यात्रा आगे महाराष्ट्र की ओर प्रस्थान करेगी। आयोजकों ने छत्तीसगढ़ के गौभक्तों, संतों एवं सामाजिक संगठनों से अधिक से अधिक संख्या में सहभागिता कर अभियान को सफल बनाने की अपील की है।

शासकीय कन्या स्कूल नरवर में सायबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन

क्यूँ न लिखूँ सच/ राजकुमार शर्मा (कटारे)/ शिवपुरी/नरवर 7 सायबर अपराधों के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से

सायबर जागरूकता अभियान के तहत शासकीय कन्या स्कूल नरवर में सायबर सेल टीम एवं थाना नरवर द्वारा सायबर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में छात्राओं को सायबर सुरक्षा, सायबर फ्रॉड एवं डिजिटल माध्यमों के सुरक्षित उपयोग के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई।यह अभियान भारत सरकार के IyC (Indian Cyber Crime Coordination Centre) द्वारा राष्ट्रीय सायबर सुरक्षा जागरूकता माह (NCSAM) के अंतर्गत आयोजित किया जा रहा है।

इस संबंध में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा मन की बात कार्यक्रम में तथा माननीय गृह मंत्री भारत सरकार द्वारा विभिन्न माध्यमों से सायबर अपराधों के प्रति जागरूक रहने का आह्वान किया गया है।

उक्त अभियान को प्रभावी बनाने हेतु पुलिस अधीक्षक शिवपुरी श्री अमन सिंह राठौड़ द्वारा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।कार्यक्रम के दौरान सायबर सेल प्रभारी शिवपुरी द्वारा छात्र-छात्राओं को भविष्य की चुनौतियों का सामना कर लक्ष्य प्राप्ति, डिजिटल युग में सजगता से तकनीक के उपयोग तथा सायबर सुरक्षा के महत्व के बारे में जानकारी दी गई। साथ ही उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए छात्राओं की जिज्ञासाओं का समाधान किया।

इस अवसर पर थाना नरवर प्रभारी निरीक्षक श्री विनय यादव ने वित्तीय धोखाधड़ी, डिजिटल अरेस्ट,क्ष्य फाइल के माध्यम से ठगी, सोशल मीडिया अपराध सहित विभिन्न सायबर अपराधों से बचाव के उपाय बताए। सायबर सेल शिवपुरी द्वारा सायबर अपराध से बचने के लिए महत्वपूर्ण सुझाव दिए गए, जिनमें आधार बायोमैट्रिक लॉक करने हेतु MY AADHAR APP का उपयोग,क्ष्य फाइल न खोलने, फर्जी लोन एप डाउनलोड न करने, किसी भी अनजान कॉल, मैसेज या ईमेल पर व्यक्तिगत जानकारी साझा न करने, अज्ञात वेबसाइट पर लॉगिन न करने एवं ओटीपी किसी के साथ साझा न करने की अपील की गई। सायबर अपराध की किसी भी घटना की सूचना शिवपुरी सायबर क्राइम हेल्पलाइन नंबर 7049123288 अथवा राष्ट्रीय हेल्पलाइन नंबर 1930 पर देने की अपील की गई।

High cholesterol is repeatedly showing up in your blood test, are these kitchen mistakes the culprit?

If your blood test repeatedly shows high cholesterol, it could be due not only to junk food, but also to some everyday mistakes in your kitchen. High cholesterol is becoming increasingly common these days and is considered a very harmful condition for heart health. Previously considered a problem of the elderly, it has now become a problem seen in younger people, even those under 20. Cholesterol is a part of our body and is not entirely harmful. It helps in the production of various hormones, maintaining strong cells, and aids digestion. However, problems arise when the level of bad cholesterol (LDL) in the body increases. Are your blood tests often showing high cholesterol levels? Let's learn how to control it. Bad cholesterol is dangerous for health. Dietary irregularities are considered the biggest cause of increased bad cholesterol in the body. People who consume excessive amounts of fried food, trans fat, refined oil, fast food, and excessive ghee and butter are more likely to have bad cholesterol. Lack of physical activity, sitting for long hours, obesity, smoking, and alcohol consumption can also increase cholesterol levels. Did you know that some kitchen mistakes, which we often overlook, can also contribute to this increased cholesterol? Are you eating too much oil or butter? If you consume too much oil or butter, be careful; this habit can increase blood cholesterol levels. Butter is high in saturated fat, and excessive consumption of this can rapidly increase your cholesterol levels. Limit your intake of fried foods; it is not good for heart health. Refined oil, in particular, is very harmful. Eating too much processed food is harmful. The consumption of packaged spices, ready-made sauces, and processed foods is also considered to increase bad cholesterol. Processed foods contain fat, salt, and preservatives, which play a major role in raising cholesterol. Eating such foods consistently not only leads to weight gain but also increases the risk of heart disease. To control cholesterol, it's important to increase the amount of fiber-rich grains, fruits, and vegetables in your diet. Reusing cooking oil is dangerous: In many homes, the same cooking oil is reused multiple times. This habit is considered one of the biggest causes of high cholesterol. When oil is reheated repeatedly, trans fats and free radicals are formed. These elements rapidly increase bad cholesterol in the body. Excessive consumption can even lead to cancer. Repeatedly reheated oil accelerates inflammation and fat accumulation in the heart arteries. How to avoid high cholesterol? A balanced diet is essential for controlling cholesterol. Eating green vegetables, fruits, whole grains, oats, and pulses daily helps lower bad cholesterol. Including healthy fats like nuts, seeds, and fish in your diet in adequate amounts is beneficial. Additionally, walk or exercise for at least 30 minutes daily and avoid smoking and alcohol.

Can diabetes be completely cured? A doctor gives an interesting answer

Diabetes is a disease that affects a large population in our country. People often wonder if diabetes can be completely cured. The doctor has shared some interesting insights on this topic, which you should also know about. Diabetes is a disease that doesn't develop suddenly overnight; it is a long-term process that develops gradually in the body. Recently, Dr. Shalini Singh Solanki shared a video on social media, providing important information on this topic. According to her, diabetes progresses through five main stages, and at each stage, the body sends warning signals. People often dismiss it as simply "high blood sugar," but it's important to understand the stage of the disease. Doctors say that if diabetes is detected in the first three stages, it can not only be controlled but also completely reversed. This means that through proper diet and lifestyle changes, you can return to a normal life without medication. However, the condition becomes more complicated in the later stages, where the risk of organ damage increases. Stage 1: Insulin Resistance - The first stage is insulin resistance, where blood sugar remains normal but metabolism slows down. This causes drowsiness, heaviness, and brain fog after eating. Stage 2: Pre-Diabetes - The second stage is pre-diabetes, where fasting sugar levels exceed 100 and HbA1c reaches between 5.7 and 6.4. During this period, fat gain around the abdomen is the most significant sign. With discipline in both these stages, it is possible to eradicate diabetes completely. Stage 3: Early Diabetes and the Possibility of Reversal - The third stage is early diabetes, where fasting sugar levels exceed 126 and HbA1c exceeds 6.5. In this stage, the body begins to show clear signs, such as increased hunger and frequent urination. According to Dr. Shalini, this is the final stage from where you can restore your health. It can be completely reversed through an active routine and a strict diet chart. Stage 4: Uncontrolled Diabetes - In the fourth stage, diabetes becomes "uncontrolled," where even medications don't work properly, and tingling, burning, or numbness in the feet is felt. It's important to note that once diabetes reaches stage 4, it's almost impossible to completely cure it. Stage 5: Complicated Diabetes - The fifth stage is "complicated diabetes." In this stage, vital organs of the body begin to be affected due to years of diabetes. Even in stage 5, it is almost impossible to completely cure diabetes and in this situation, the main focus has to be on management and organ protection. Timely detection is the biggest protection - This journey of diabetes teaches us how costly it can be to ignore small signals of the body. This news warns that if you are in the first three stages, then you can make yourself disease free by changing your habits today itself. Getting timely blood tests done and following the doctor's advice is the only way to defeat this silent killer. Be alert and choose a healthy future.

Should cancer patients practice yoga? Learn about the effects of asanas on the disease.

Yoga doesn't cure cancer patients, but rather enhances their ability to fight the disease. It reduces fear and calms the mind. Cancer is not just a disease of the body, but also of the mind. Chemotherapy, radiation, and surgery, which are part of cancer treatment, weaken the body, disrupt sleep, reduce appetite, and fill the mind with fear. In such situations, yoga serves as a supportive treatment. According to experts, gentle and controlled yoga is safe for cancer patients, provided they obtain medical permission and choose the right asanas. World Cancer Day is celebrated on February 4th. On Cancer Day, learn about some effective yoga asanas to combat this dreaded disease. Benefits of yoga for cancer patients: Reduces fatigue Reduces stress, fear, and depression Improves sleep quality Maintains flexibility and balance Supports the immune system Improves quality of life during treatment Yoga doesn't claim to cure the body, but it definitely provides the strength to fight. Safe yoga poses for cancer patients Keep in mind: Every patient's condition is different. Always practice yoga under the supervision of a trained yoga therapist. Pranayama - Anulom-Vilom and Bhramari Deep breathing - reduces stress and improves oxygen supply. Tadasana - Tadasana keeps the body upright and improves balance and self-confidence. Balasana - Practicing Balasana provides mental peace and reduces back strain. Vajrasana - Vajrasana helps digestion, which is crucial during chemotherapy. Shavasana - Shavasana is the most effective asana in reducing the stress of treatment. Which yoga poses should be avoided? Difficult asanas like Shirshasana, Chakrasana Asanas that put pressure on the abdomen Very intense Kapalabhati Any vigorous exercise in case of pain or weakness - The rule of yoga is simple: where there is rest, there is yoga; where there is force, there is restraint. Can yoga cure cancer? No, yoga is not a cure for cancer, but it increases the ability to tolerate treatment. Those who call yoga a substitute for treatment are wrong. Yoga helps in fighting fear, managing pain and re-balancing life.

Actor-YouTuber accused of serving banned meat at a Kolkata restaurant; police arrest waiter

Bengali actor and YouTuber Sayeed Chakraborty alleges that he was served banned meat at a Kolkata restaurant. Upon learning of this, he filed a police complaint. Police have arrested
a restaurant employee. Bengali
Chakraborty alleges that he
restaurant. He shared this
which sparked an uproar.
restaurant in connection with
Sayeed shared his ordeal on
removed. Actor Sayeed
alleging that banned meat was
consumed it unknowingly.
the waiter about the incident.
trolled on social media and
Saik later deleted this post. In
Saik shared another post
an "agent" of a particular
in politics. Police are currently
going viral on social media. In
apologizes to Saik and his
The actor said, "Religious
Saik argues with the waiter at
In the video, the waiter and the

actor, YouTuber, and influencer Sayeed
was served banned meat at a Kolkata
allegation through a social media post,
Police have arrested a waiter at the
the incident. The investigation is ongoing.
social media, but the video was later
Chakraborty shared a social media post
served at the restaurant. He said he
Later, upon learning of this, he questioned
After Sayeed's video surfaced, he was
accused of inciting communal sentiments.
a viral video, the waiter apologized to Saik.
responding to trolls and those calling him
party. He stated that he has no involvement
investigating the matter. A video of Saik is
it, a waiter from a particular religion
female friend for serving the wrong dish.
sentiments were hurt." In the viral video,
a restaurant about serving prohibited meat.
restaurant manager are seen apologizing to
Saik and his female friend. Saik claims that he is a Brahmin and that the restaurant has hurt his religious sentiments. Amar Ujala does not confirm this video. This is a viral video on social media.

Raha recorded a video of her mother on set; Alia Bhatt made this face at her daughter's request.

Alia Bhatt and Ranbir Kapoor's daughter Raha is often in the limelight. Whenever she's out with her parents, paparazzi cameras are focused on her. Currently, Raha is once again in the news with a video. Raha Kapoor, daughter of Alia Bhatt and Ranbir Kapoor, is often in the news for her cuteness. Her photos and videos often go viral on social media. Recently, a video has surfaced on social media. Although Alia Bhatt is seen in the video, her daughter Raha's voice can be heard. Baby Raha becomes a cameraperson for her mother.

Alia and Ranbir's daughter Raha has learned to handle the camera. This can be seen from a recent video of Alia Bhatt. In fact, a video is going viral on social media. In it, Alia Bhatt can be seen on set, surrounded by cameras. Alia's daughter Rhea is capturing this moment on camera. Alia is surprised to see her daughter making a video. Rhea is not visible in the viral video. Only her voice is heard. She is telling her mother, "Fine, Mom. Zoom in. Zoom out." Alia also appears surprised to see her daughter making a video. Her expressions are captured in the video. Alia and Ranbir Kapoor welcomed their first child, Rhea, on November 6, 2022. Alia Bhatt and Ranbir Kapoor's work front: Both stars are currently in the news for their upcoming film "Love and War," which also stars Vicky Kaushal. Besides, Ranbir Kapoor will be seen in "Ramayana." Alia Bhatt also has "Alpha" in her kitty.

Actor Ram Charan and Upasana become parents of twins, Chiranjeevi shares the good news

The home of actor Ram Charan and his wife Upasana is filled with joy. Ram Charan's father, actor Chiranjeevi, shared the good news via social media that Ram Charan and Upasana have become parents of a son and a daughter. The joy in the lives of actor Ram Charan and his wife Upasana has doubled. Upasana has given birth to twins, a son and a daughter. Chiranjeevi shared this news on his Instagram page late Saturday night. Chiranjeevi shares his joy with fans - Ram Charan's father and actor Chiranjeevi shared an Instagram post informing fans that he has become a grandfather. He wrote in the post, "It is with great joy that we inform you that Ram Charan and Upasana have been blessed with twins, a boy and a girl. Both the children and the mother are healthy." Welcoming these little ones and the privilege of becoming grandparents is a blessing from God for us.' He further writes in the post, 'Heartfelt thanks to all of you for your prayers, love, blessings and good wishes.' Ram Charan and Upasana have been married for 14 years. Ram Charan and Upasana got married on 14 June 2012 in Hyderabad. Ram Charan is a well-known actor of South films. Whereas Upasana was the Vice Chairman of Apollo Charity. On 20 June 2023, this couple had a daughter. Now twins have been born in their house. Fans and close friends of Ram Charan are very happy on receiving this news.